RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 128 ● भिलाई, शनिवार 22 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु में बदमाशों ने रुकवाई कैश वैन 7 करोड़ लूटकर फरार

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में दिनदहाड़े डकैती की वारदात सामने आई है। एक गिरोह ने एटीएम में कैश जमा करने के लिए नकदी ले जा रहे वाहन से 7.11 करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए। शहर में वाहनों की जांच तेज कर दी गई है। यह घटना साउथ एंड सर्कल के पास हुई। कर्मचारी एटीएम में नकदी डालने ले जा रहे थे, तभी इनोवा कार में सात-आठ बदमाश वहां पहुंचे। उन लोगों ने खुद को आरबीआइ का अधिकारी बताकर नकदी प्रबंधन टीम को धमकाया। उन्होंने बंदूकधारी और अन्य कर्मचारियों को गाड़ी से बाहर निकाल दिया। वे चालक को डेयरी सर्कल की ओर ले गए और फ्लाईओवर पर गाड़ी रोक दी। वहां लुटेरों ने नकदी अपनी इनोवा कार में रखवा ली और मौके से फरार हो गए। कैश वैन के कर्मचारियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। गाड़ी में ड्राइवर, दो बंदूकधारी और एक कैश लोडिंग स्टाफ मौजूद था। अपराधियों ने बंदूकधारियों और कैश लोडिंग स्टाफ को अपनी इनोवा कार में बिठा लिया।

शादी के 3 साल बाद गोली मारकर विवाहिता की हत्या

रोहतक। रोहतक के काहनी गांव में वीरवार रात 23 वर्षीय सपना की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका देवर साहिल (20) गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को रात करीब पौने 11 बजे पीजीआईएमएस रोहतक ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सपना को मृत घोषित किया। साहिल अस्पताल में उपचाराधीन है। हमलावरों की संख्या चार बताई जा रही है। घटना के समय सपना का पति सूरज शहर में ऑटो लेकर गया हुआ था। घर पर सूरज की मां, भाई, पत्नी और बेटा मौजूद थे। 22 नवंबर को सूरज के दो साल के बेटे का जन्मदिन है, जिसके लिए घर में तैयारियां चल रही थीं। सपना और सूरज ने लगभग तीन साल पहले कोर्ट मैरिज की थी, जिसे सपना के परिजनों ने स्वीकार नहीं किया था। विरोध के चलते सपना के परिवार ने दोनों को गांव में रहने से रोक दिया था। दबाव के कारण दंपती ने गांव छोड़कर रोहतक में किराए पर रहना शुरू कर दिया था, लेकिन पिछले दो महीनों से वे फिर गांव आने-जाने लगे और वहीं रहने लगे। इसी बात को लेकर सपना के मायके पक्ष में नाराजगी मानी जा रही है।

शिवसेना नेता व बेटे पर हमले में पांच के खिलाफ केस दर्ज

फगवाड़ा। फगवाड़ा के स्थानीय गऊशाला बाजार में शिवसेना नेता व बेटे पर हमले के मामले में थाना सिटी पुलिस ने पांच युवकों के खिलाफ इरादा कत्ल सहित आर्म्स एक्ट तथा संगीन धाराओं के अंतर्गत केस दर्ज कर लिया है। एसपी माधवी शर्मा ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि शिवसेना नेता इंद्रजीत करवल व उसके बेटे जिम्मी करवल को गोशाला बाजार में कुछ लोगों ने घेर कर हमला कर दिया व उन पर गोलियां चलाई है, जिन्हें तुरंत सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया गया।

आज से लागू हुए नए श्रम कानून

चार श्रम संहिताएं सबसे व्यापक,प्रगतिशील सुधार:पीएम मोदी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की. इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है. इसमें गिग यानी अल्पकालिक अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज, सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य नियुक्ति पत्र और सभी क्षेत्रों में वैधानिक न्यूनतम मजदूरी तथा समय पर भुगतान जैसे प्रावधान शामिल हैं. ये चार श्रम संहिताएं-वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं. सुधारों में महिलाओं के लिए विस्तारित अधिकार और सुरक्षा शामिल हैं. इनमें रात की पाली में काम, 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच, खतरनाक प्रक्रिया इकाइयों सहित पूरे भारत में ईएसआईसी कवरेज और एकल पंजीकरण, लाइसेंस प्रणाली शामिल हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि ये संहिताएं हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल तथा लाभकारी अवसरों की मजबूत नींव का काम करेंगी. उन्होंने कहा, यह श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाला तथा भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूत करने वाला भविष्य के लिए

तैयार परिवेश बनाएगा. ये सुधार रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगे, उत्पादकता को गति देंगे तथा विकसित भारत की हमारी यात्रा को तेज करेंगे. मोदी ने कहा, यह आजादी के बाद से अब तक के सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधारों में से एक है. यह हमारे श्रमिकों को बहुत अधिक सशक्त बनाता है. यह अनुपालन को काफी सरल भी बनाता है तथा 'कारोबारी सुगमता' को बढ़ावा देता है. श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं. उन्होंने कहा कि श्रम संहिताएं रोजगार को संगठित रूप देंगी, श्रमिक संरक्षण को मजबूत करेंगी तथा श्रम परिवेश को सरल, सुरक्षित और वैश्विक गतिविधियों के अनुरूप बनाएंगी. अतिरिक्त व्यवस्थागत सुधारों में राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी, स्त्री-पुरूश का अंतर किए बिना कार्य नीतियां, सहायक अनुपालन के लिए इंस्पेक्टर-सह-सुविधाकर्ता मॉडल, दो-सदस्यीय न्यायाधिकरण के जरिये तेजी से विवाद समाधान और राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य (ओएसएच) बोर्ड शामिल हैं. सरकार अब विस्तृत नियम और योजनाएं बनाने के लिए परामर्श शुरू करेगी. इस बीच जहां जरूरी होगा, मौजूदा श्रम कानूनों के प्रावधान लागू रहेंगे.

पीएम मोदी के नेतृत्व में श्रम सुधारों का ऐतिहासिक क्रियान्वयन :सीएम साय

मुख्यमंत्री ने आज देश में चार श्रम संहिताओं के ऐतिहासिक क्रियान्वयन पर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की है. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि श्रम सुधारों का यह महत्वपूर्ण निर्णय देश के 40 करोड़ से अधिक श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा, सामाजिक सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की एक अभूतपूर्व गारंटी है.मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज का दिन भारत के श्रम क्षेत्र के इतिहास में एक मील का पत्थर है. चारों श्रम संहिताओं के लागू होने से न्यूनतम वेतन का अधिकार, महिलाओं को समान वेतन का प्रावधान, फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को ग्रेच्युटी, प्रत्येक श्रमिक के लिए सामाजिक सुरक्षा, मुफ्त स्वास्थ्य जांच की सुविधा और ओवरटाइम पर डबल वेतन जैसी व्यवस्थाएँ पूरे देश में सुनिश्चित होंगी.

एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे

एसआईआर लोकतंत्र को बचाने का अभियान-गृहमंत्री अमित शाह

भुज/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें. वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे. मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह की

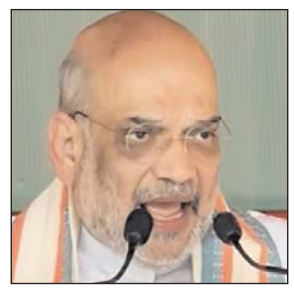

टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में पत्र लिखे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने (बनर्जी ने) इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था. शाह ने कहा, आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है. घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है. एसआईआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बताते हुए शाह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सरकार के अभियान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि ये पार्टियां निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर का विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं ।

राज्यपाल बिलों को अनिश्चितकाल तक नहीं रोक सकते, मंजूरी या कार्रवाई तय समय में जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि राज्यपाल के पास किसी भी बिल पर निर्णय लेने के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार करने या प्रक्रिया रोककर रखने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा कि डीम्ड असेंट (निर्धारित समय में मंजूरी मान लेना) का सिद्धांत संविधान की भावना और शक्तियों के बंटवारे के मूल सिद्धांत के अनुरूप नहीं माना जा सकता, लेकिन साथ ही राज्यपाल बिल को अनिश्चितकाल तक लंबित भी नहीं रख सकते।

कर्नाटक में सीएम पद का घमासान जारी

कर्नाटक में 140 विधायक मंत्री बनने के योग्य-डीके शिवकुमार

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। हालांकि, राज्य में सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का बड़ा बयान आया है। डीके शिवकुमार ने कहा कि समूह बनाना मेरे खून में नहीं है। सभी 140 विधायक मेरे विधायक हैं। सीएम ने फैसला किया है कि वह सरकार और कैबिनेट में फेरबदल करेंगे। इसलिए, वे सभी मंत्री बनने के इच्छुक हैं। यह स्वाभाविक है कि वे

दिल्ली जाकर नेताओं से मिलेंगे। इसके अलावा, मैं क्या कह सकता हूँ? उन्हें पूरा अधिकार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं किसी को नहीं ले गया। उनमें से कुछ लोग खड़गे साहब से मिले। उन्होंने सीएम से भी मुलाकात की। क्या गलत है? यह उनकी जिंदगी है। किसी ने उन्हें बुलाया नहीं है, वे स्वेच्छा से जा रहे हैं और अपना चेहरा दिखा रहे हैं। वे अपनी उपस्थिति दिखाना चाहते थे कि वे सबसे आगे हैं, काम कर सकते हैं और वे जिम्मेदारी चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सभी 140 विधायक मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। वे सब कुछ बन सकते हैं...मुख्यमंत्री ने कहा है कि वे 5 साल पूरे करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। हम सब उनके साथ मिलकर काम करेंगे। कांग्रेस विधायक टीडी राजेगौड़ा ने कहा कि यह निर्णय हाईकमान और सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को लेना है... मैंने शिवमोगा, कुछ सड़क मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

आदिवासी नेता और पूर्व विधायक कुंजाम ने आरोप लगाया

हिडमा फर्जी मुठभेड़ में मारा गया...इसके पीछे माओवादी नेता देवजी का हाथ:मनीष कुंजाम

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता और पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में जिस मुठभेड़ में नक्सली कमांडर माडवी हिडमा मारा गया वह फर्जी मुठभेड़ थी तथा उसके पीछे वरिष्ठ माओवादी नेता देवजी की भूमिका है. पुलिस के मुताबिक 18 नवंबर की सुबह पड़ोसी आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले के मरेदुमिल्ली के जंगल में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में हिडमा (51), उसकी पत्नी मडकम राजे और चार अन्य नक्सली मारे गए. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व विधायक कुंजाम, जो अब अपने संगठन 'बस्तरिया राज मोर्चा' का नेतृत्व करते हैं, ने दावा किया कि देवजी ने फायदा उठाने और खुद को बचाने के लिए हिडमा की मौत की साजिश रची. छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कुंजाम ने आरोप लगाया कि हिडमा को जिंदा पकड़ा गया और फिर मार दिया गया. मुठभेड़ पूरी तरह से फर्जी थी.कुंजाम ने कहा, हिडमा

की मौत के दो दिन बाद, आंध्र प्रदेश में 50 लोग (नक्सली) गिरफ्तार हुए थे. क्या 50 लोग गिरफ्तार होने के लिए वहां जाएंगे? उनमें से अधिकतर स्थानीय लड़के हैं और सुकमा तथा बीजापुर (दक्षिण बस्तर) से हैं. उन्होंने दावा किया कि खेल देवजी ने रचा था जो नक्सलियों का एक बड़ा नेता है.कुंजाम ने आरोप लगाया, देवजी उन सभी को आत्मसमर्पण करवाने के बहाने आंध्र प्रदेश ले गया तथा अपनी छवि सुधारने तथा राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इसका इस्तेमाल किया. उन्होंने कहा, अखबारों में हिडमा को सभी बड़ी (नक्सली) घटनाओं का सूत्रधार बताया गया है, फिर आंध्र प्रदेश से आए पढ़े-लिखे लोगों का क्या (जो माओवादी के तौर पर सक्रिय थे), क्या वे सिर्फ घास छील रहे थे? उन्होंने सारा इल्जाम हिडमा पर डाल दिया. उन्होंने उसे मरवा दिया और बाकी को गिरफ्तार करा दिया. कुंजाम ने आरोप लगाया कि देवजी न तो गिरफ्तार हुआ है और न ही मारा गया है. वह आंध्र प्रदेश सरकार के मेहमान के तौर पर आराम से कहीं बैठा है.उन्होंने आंध्र प्रदेश के नक्सली नेताओं पर बस्तर के आदिवासी युवाओं को हथियारबंद आंदोलन के लिए 'हथियार देने और उकसाने' का भी आरोप लगाया.

खराब सेहत का दिया था हवाला

जेल में कंबल के बाद कुर्सी न मिलने से गुस्साए आजम

रामपुर। जेल प्रशासन ने सपा नेता आजम खां को कुर्सी देने से मना कर दिया। कुर्सी नहीं देने से आजम खां गुस्सा गए, उन्होंने मुलाकात से मना कर दिया। उधर, आजम खां ने बृहस्पतिवार को जेल अधीक्षक से कोर्ट के आदेश की प्रति मांगी। जेल प्रशासन ने उन्हें आदेश की प्रति उपलब्ध करा दी है। वहीं सोमवार रात आजम ने घर से कंबल की मांग की। जेल प्रशासन ने उनसे मना किया तो आजम खां नाराज हो गए थे। जेल प्रशासन के अनुसार, सपा नेता आजम खां बुधवार को अपने वकीलों से मिले थे। इस दौरान वकील ने उन्हें कोर्ट के आदेश के बारे में बताया। उधर बृहस्पतिवार को आजम ने जेल

प्रशासन को पत्र लिखकर कोर्ट के आदेश की प्रति मांगी। जेल प्रशासन ने उन्हें कोर्ट की आदेश की कॉपी उपलब्ध कराई। इससे पूर्व आजम खां ने जेल प्रशासन से अपनी सेहत का हवाला देते हुए बैठने के लिए कुर्सी की मांग की। जेल प्रशासन ने जेल मैनुअल का हवाला देते हुए कुर्सी देने से मना कर दिया।

बांग्लादेश में कांपी धरती

भूकंप के बाद 6 लोगों की मौत...50 घायल होने की खबर

ढाका/ एजेंसी

बांग्लादेश में शुक्रवार को आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी ढाका और कुछ अन्य हिस्सों में महसूस किए गए तथा इस दौरान कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और कुछ जगहों पर आग लग गई, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई. अधिकारियों ने बताया कि ढाका में तीन लोगों, जबकि नारायणगंज में एक व्यक्ति की मौत की सूचना है. वहीं, दो अन्य मौतें नरसिंगडी में हुईं, जहां भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था. स्थानीय मीडिया ने भूकंप के कारण देशभर में कम से कम 50 लोगों के घायल होने की खबर दी है. बांग्लादेश के मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10 बजकर 38 मिनट पर आया और इसका केंद्र ढाका के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नरसिंगडी में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था. यह स्थान ढाका के अगरगांव क्षेत्र में भूकंपीय केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर पूर्व में है. ढाका के पुलिस उपायुक्त मलिक अहसान उद्दीन सामी ने अग्निशमन सेवा के हवाले से बताया कि पुराने ढाका के अरमानीटोला इलाके में पांच मंजिला इमारत की रेलिंग, बांस की मचान और मलबा गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में एक राहगीर

गंभीर रूप से घायल हो गया. सामी ने पुष्टि की कि मृतकों में एक मेडिकल छात्र शामिल है, जो मांस खरीदने के लिए अपनी मां के साथ वहां गया था. उन्होंने बताया कि मेडिकल छात्र की मां गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी तत्काल सर्जरी करनी पड़ी. स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, ढाका में जान गंवाने वाले तीन लोगों में आठ साल का एक बच्चा शामिल है, जिसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है. अधिकारियों के मुताबिक, चौथी मौत नारायणगंज में हुई, जहां एक नवजात बच्ची ने उस समय मलबे की चपेट में आकर दम तोड़ दिया, जब उसकी मां उसे गोद में लेकर एक दीवार के पास से गुजर रही थी, जो भूकंप के कारण ढह गई. अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के बाद पुराने ढाका में स्थित सुतरापुर के स्वामीबाग इलाके में स्थित आठ-मंजिला एक इमारत के पास की दूसरी इमारत पर झुक जाने की खबर मिली, जबकि कालाबागान क्षेत्र में सात-मंजिला एक इमारत झुकी हुई दिखाई दी. हालांकि, अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि यह इमारत संरचनात्मक रूप से सुरक्षित है. ढाका के आलीशान बरिधारा इलाके में भूकंप के झटके के तुरंत बाद एक घर में आग लग गई, लेकिन दमकल कर्मी यह पुष्टि नहीं कर सके कि इसका संबंध भूकंप से था या नहीं. ढाका से सटे मुंशीगंज के गजारिया इलाके में भी एक आवासीय इमारत में आग लगने की खबर मिली।

दुबई एयर शो में भारतीय फाइटर जेट तेजस क्रैश,पायलट की मौत

दुबई। दुबई एयर शो में शुक्रवार को आयोजित उड़ान प्रदर्शन के दौरान भारतीय तेजस लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया। वायु सेना ने बयान जारी कर बताया कि इस हादसे में पायलट की भी मौत हो गई है। स्थानीय समय अनुसार दोपहर 2:10 बजे तेजस प्रदर्शन के दौरान डेमो उड़ान भर रहा था, तभी अचानक विमान अनियंत्रित हो गया और नीचे गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान के जमीन से टकराते ही जोरदार धमाका हुआ और कुछ ही पलों में काले धुएं का गुबार हवा में फैल गया। वहां मौजूद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में लोग दुबई एयर शो देखने आए थे। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। भीड़ ने विमान को नीचे गिरते देखा और फिर अचानक उठते धुएं के कारण अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एक घंटे से भी कम समय में आग पर पाया गया काबू दुबई की स्थानीय मीडिया के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद हेलिकॉप्टर्स और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाया गया।

गुंडरदेही में हुआ प्रेरणा सम्मेलन का आयोजन, महिला कमांडो के जज्बे से आईजी हुए अभिभूत, बोलेः मदद के लिए रहेगा 200 प्रतिशत सहयोग

पुलिस से समन्वय बनाकर कमांडो को सशक्त करेंगे : आईजी रामगोपाल गर्ग

बालोद। गुंडरदेही में आयोजित महिला कमांडो के प्रेरणा सम्मेलन कार्यक्रम में महिला कमांडो के उत्साह और निस्वार्थ सेवा भाव ने मुख्य अतिथि दुर्ग रेंज आईजी रामगोपाल गर्ग को मंत्रमुग्ध कर दिया। आईजी रामगोपाल गर्ग ने महिला कमांडो के आत्मविश्वास की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने कहा कि आमतौर पर किसी गांव में जाने पर महिलाएं पुलिस से बात करने में भी झिझकती हैं, लेकिन यहां की महिलाएं न केवल मंच पर आ रही हैं, बल्कि बेहतरीन भाषण और कविताएं भी सुना रही हैं। उन्होंने परसदा की महिला कमांडो कचरी बाई द्वारा कविता के माध्यम से कमांडो के कार्यों के बखान की विशेष तारीफ की और एसपी को उनकी कविता को सहेज कर रखने का निर्देश दिया। वही उत्कृष्ट कार्य के लिए पांच टीमों का सम्मान किया गया। बालोद जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच महिला कमांडो टीमों को प्रतीक चिन्ह और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इनमें जामुलवही (डौंडी), फागुनदाह (गुरुर), जेवरतला (गुण्डरदेही), परसदा (बालोद), और सिंगारपुर (डौंडीलोहारा) की टीमें शामिल रही।

पुलिस से समन्वय बनाकर करेंगे नए सिरे से काम

आईजी गर्ग ने महिला कमांडो को आश्वस्त किया कि उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा और जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा, आप लोगों की जो भी जरूरत होगी, जैसे सिटी, टॉर्च, साड़ी, लाठी, उसकी लिस्ट बनाएं और हमें दें। हम धीरे-धीरे सारी चीजें उपलब्ध कराएंगे। एक महीने के भीतर सबसे पहले टॉर्च दिला दी जाएगी। उन्होंने कमांडो के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस तरह ये बिना कानून को हाथ में लिए सामाजिक बुराइयों पर लगाम लगाती हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने सहयोग का वचन देते हुए स्पष्ट किया, हम कमांडो को आगे बढ़ाने के लिए 200% सहयोग करेंगे।

2006 से जारी है निस्वार्थ सेवा : शमशाद

महिला कमांडो आंदोलन की प्रणेता पद्मश्री शमशाद बेगम ने बताया कि 2006 में 100 महिला कमांडो से शुरू हुआ यह कारवां बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की सहयोगी के रूप में कमांडो हमेशा तत्पर रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि महिला कमांडो निस्वार्थ भाव से समाज सुधार और सेवा में जुटी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक दान के माध्यम से 10 हजार निर्धन बालिकाओं की शिक्षा में मदद की जा चुकी है। वर्तमान में बालोद जिले में 12 हजार 500 और कुल 14 जिलों में लगभग 72 हजार कमांडो सक्रिय रूप से काम कर रही हैं।

बिट सिपाही रखें कमांडो से संपर्क

कार्यक्रम में मौजूद बालोद के पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने महिला कमांडो के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके जिले में यह संगठन सक्रिय है, जो गर्व की बात है। उन्होंने महाराष्ट्र में भी इसकी शुरुआत होने को गौरवपूर्ण बताया और कहा कि वे पुलिस प्रशासन की ओर से यथासंभव सहयोग करेंगे। वही एसपी को निर्देशित करते हुए आईजी ने कहा कि बिट सिस्टम के तहत हर सिपाही के पास अपने जिम्मेदारी वाले गांव की महिला कमांडो का नंबर होना चाहिए और वे लगातार उनके संपर्क में रहें, ताकि गांव की हर छोटी-बड़ी खबर तुरंत मिल सके। उन्होंने एसपी को पुलिस विभाग की ओर से महिला कमांडो को समय-समय पर क्लस्टर बनाकर ट्रेनिंग देने के लिए भी निर्देशित किया। एसपी योगेश पटेल ने महिला कमांडो से अपील की कि वे गांवों में फेरी वालों की सूचना तुरंत दें, ताकि पुलिस उनकी जांच कर सके और चोरी जैसी घटनाओं को रोका जा सके। साथ ही, उन्होंने स्मार्टफोन और इंटरनेट की धोखाधड़ी से बचने और प्रेम प्रसंग के बढ़ते मामलों पर बच्चों व पालकों को जागरूक करने की जिम्मेदारी उठाने का भी आग्रह किया।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने किया 50 साड़ियां देने का ऐलान

कार्यक्रम में नगर पंचायत गुंडरदेही के अध्यक्ष प्रमोद जैन ने कहा कि जिस प्रकार महिला कमांडो निस्वार्थ भाव से अपने गांव को और लोगो को सुरक्षित रखने का कार्य कर रही है, वो बहुत ही सराहनीय है। महिला कमांडो के उत्साह को देखते हुए उन्होंने अपनी ओर से 50 साड़ी उपलब्ध कराने की घोषणा की। सहयोगी जनकल्याण समिति के सचिव रफीक खान ने अध्यक्ष प्रमोद जैन के इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि प्रमोद जैन का सहयोग और उनका प्रोत्साहन शुरुआत से ही महिला कमांडो के साथ रहा है।

समर्पण ग्रुप ने बालक उच्चतर माध्यमिक शाला में वॉटर कैन और चटाई दान की

बेमेतरा। बेमेतरा में शिक्षकाओ के द्वारा बनाए गए समर्पण ग्रुप के द्वारा बालक उच्चतर माध्यमिक शाला बेमेतरा में विद्यार्थियों के लिए वाटर कैन तथा बैठने के लिए चटाई दान की गई समर्पण ग्रुप की ओर से शिक्षिका प्रीति वर्मा द्वारा विद्यालय के व्याख्याता सी आर ठाकुर तथा मनोज बक्शी को सामग्री सौंपे इस अवसर पर समर्पण ग्रुप की संयुक्त का आंचल वर्मा एवं शिखा विकास चौबे भी उपस्थित थे। बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याता सी आर ठाकुर एवं मनोज बक्शी के द्वारा समर्पण ग्रुप द्वारा दिए गए सामग्री के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि इस तरह का स्कूलों को सहयोग दूसरों के लिए भी प्रेरणादायक है। निश्चित रूप से यह सामग्री विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी समर्पण ग्रुप के सदस्यों को इस कार्य के लिए साधुवाद है जो इतने पुनीत कार्य में लगे हुए हैं ज्ञात होकर समर्पण ग्रुप के द्वारा पूर्व में भी विभिन्न विकासखंड के बहुत से स्कूलों में वॉटर कैन एवं चटाई प्रदान की गई है समर्पण ग्रुप महिला शिक्षकों के द्वारा स्वयं के द्वारा एकत्रित राशि से विद्यालयों को अपनी ओर से सहयोग के रूप में सामग्री दी जाती है।

बेमेतरा नपा में राजू साहू को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी जनता की आवाज बनकर जनहित में करेंगे काम

आशीष छाबड़ा
अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा
पूर्व विधायक - बेमेतरा
बेमेतरा, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

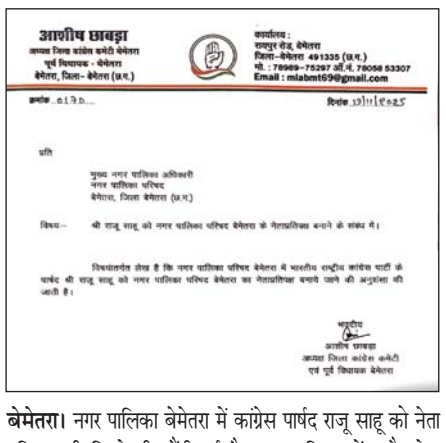

कार्यालय :
रायपुर रोड, बेमेतरा
जिला-बेमेतरा 491335 (छ.ग.)
मो. : 78989-75297 ऑ.नं. 78058 53307
Email : mlabmt69@gmail.com

क्रमांक ..0130.... दिनांक 19/11/2025

प्रति
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बेमेतरा, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

विषय- श्री राजू साहू को नगर पालिका परिषद बेमेतरा के नेताप्रतिपक्ष बनाने के संबंध में।

विषयांतर्गत लेख है कि नगर पालिका परिषद बेमेतरा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के पार्षद श्री राजू साहू को नगर पालिका परिषद बेमेतरा का नेताप्रतिपक्ष बनाये जाने की अनुशंसा की जाती है।

भवदीय
आशीष छाबड़ा
अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी
एवं पूर्व विधायक बेमेतरा

बेमेतरा। नगर पालिका बेमेतरा में कांग्रेस पार्षद राजू साहू को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर पालिका में बतौर नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्होंने कहा कि जनता के हित में उनकी समस्याओं और मुद्दों को उठाने का काम करूंगा। राजू साहू ने छात्र राजनीति से अपनी करियर की शुरुआत की। वह वार्ड क्रमांक 5 से दूसरी बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर पार्षद चुने गए हैं. साहू ने जिलाध्यक्ष व पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा एवं कांग्रेस पार्टी और संगठन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुझे शहर की आबादी के लिए उनकी समस्याओं और हित के लिए मुद्दों और आवाज उठाने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नगर पालिका में जन विरोधी कार्य का होगा पुरजोर विरोध

साहू ने कहा कि नगर पालिका में बैठी भाजपा की सरकार नगर के हित में कार्य करेगी तो स्वागत है, लेकिन अगर जन विरोधी कार्य करेगी तो पुरजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि पांच साल विपक्ष नगर पालिका की सरकार को गलत काम नहीं करने देगी।

जनता की परेशानी में साथ मिलकर लड़ेंगे

नगर पालिका के नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष साहू ने कहा कि भाजपा की सरकार ने मनमाने तरीके से काम किया। शहर के सभी वार्डों के मतदाता और आमजनों से कहना चाहता हूं कि मेरी जिम्मेदारी नेता प्रतिपक्ष की है। नगर की जनता की आवाज और उनकी जो भी परेशानी होंगी वहां मैं उनके साथ उनके लिए लड़ता मिलूंगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पत्नी कराती है पति की पिटाई, पति के अनुकंपा नियुक्ति नही होने से नाराज है पत्नी

पति की शिकायत पर पत्नी के खिलाफ एफआईआर

डोंगरगांव नगर। पुलिस थाना में अब तक पति द्वारा शराब पीकर पत्नि को पीटने अथवा दहेज प्रताड़ना जैसे मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन इस बार पति पत्नी के मध्य विवाद का अजब मामला आया है। इस बार पति ने अपनी पत्नि द्वारा पिटाई करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पति की शिकायत आधार पर एफआईआर दर्ज कर लिया है। पति व पत्नी के मध्य अजब मामला ग्राम अमलीडीह का है। प्रार्थी कन्हैया सोनकर, 35 वर्ष, पिता स्व लिखन सोनकर, साकिन अमलीडीह ने मीडिया को घटनाक्रम का विवरण देते हुए बताया कि उन्होंने अपनी पत्नि सौहद्रा सोनकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। प्रार्थी कन्हैया ने बताया कि 2010 में सौहद्रा के साथ गाँव मे प्रेम विवाह हुआ था। उनके 3 बच्चे हैं। शादी के बाद से ही पत्नि उनकी पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद करती आ रही है। पिता शासकीय कर्मी थे, जिनके देहावसान के बाद उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन पत्नि से शुरुआत से ही विवाद जारी होने से थाना में प्रकरण दर्ज होने के चलते उनका चरित्र प्रमाण पत्र सत्यापित नही हो सका था, नतीजतन उन्हें अनुकंपा नियुक्ति नही मिल सकी थी। इस बात को लेकर भी ताना मारती है। 19 नवंबर शाम 7 बजे बंटवारे में प्राप्त 1.75 एकड़ जमीम को अपने नाम पर कर तलाक कर लेने की बात दोहराते हुए विवाद करने लगी, तब मना करने पर अपने भाई कृष्णा व बलराम सहित अपनी माँ भगबती सोनकर को बुलाकर मारपीट मारपीट शुरू कर दी। तब वे भागकर घर से बाहर निकले तो शंकर मंदिर के पास बलराम व कृष्णा ने मुक्के से वार किया, जिससे सिर, पीठ व कमर मे चोटें आई है। प्रार्थी के मुताबिक बीचबचाव दौरान उनकी माँ फुलमत सोनकर व बहन कुंती को भी चोटें आई है। मारपीट को मोहल्ले को दिलीप माली व प्रकाश पटेल द्वारा देखे जाने की बात बताई है। बहरहाल प्रार्थी के शिकायत पर पुलिस ने सौहद्रा बाई, कृष्णा, बलराम व भागबती सोनकर के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 315 (2), 351 (2), 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना में लिया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता होने का धौंस

कन्हैया की माने तो पत्नि स्वयं को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता होने का धौंस दिखाते हुए पैतृक जमीन अपने नाम करके तलाक देने और मेरे साथ नही रहने की बात कहती है। अनुकंपा नियुक्ति नही करा पाने पर अक्सर ताना देती है। उन्हें बंटवारे में प्राप्त पैतृक कृषि भूमि को पत्नि सौहद्रा अपने नाम पर करने झगड़ा कर दबाव बनाती है, ऐसा करने से मना करने पर अपने भाईयों को बुलाकर मेरे साथ मारपीट करती है।

तलाक देने को तैयार हूँ : प्रार्थी

प्रार्थी कन्हैया सोनकर, 35 वर्ष ने बताया कि वे अब अपनी पत्नि द्वारा मारपीट व बुरे बर्ताव से दुखी हो गए हैं। पत्नि के मायके पक्ष के द्वारा बार बार मारपीट से भी तंग आ चुके हैं। पत्नि तलाक चाहती है, तो वे भी तलाक देने को तैयार हैं। प्रार्थी की माने तो वे तलाक देने को तैयार हैं।

आमीन भर्ती परीक्षा 7 दिसम्बर को, परीक्षार्थियों के लिए दिशा निर्देश जारी, करना होगा पालन

जिले में बनाए गए 15 परीक्षा केन्द्र 4624 परीक्षार्थी होंगे शामिल

कवर्धा। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा जल संसाधन विभाग अंतर्गत आमीन भर्ती परीक्षा (डब्ल्यूआरडीए-25)का आयोजन 7 दिसम्बर 2025 को दोपहर 12.00 बजे से 2.15 तक आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षा हेतु कबीरधाम जिले में 15 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है, जिसमें 4624 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों में आबंटित एक पुरूष एवं एक महिला पुलिस कर्मी से फ्रिस्किंग का कार्य किया जाएगा। महिला अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग महिला पुलिस कर्मी से ही कराया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए। जिसका पालन करना परीक्षार्थियों के लिये अनिवार्य होगा। निर्देशों का पालन ना करने पर अभ्यर्थी को परीक्षा देने से वंचित किया जाएगा। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी। परीक्षार्थी, परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लें ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपडे पहनकर परीक्षा देने आयें। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पाकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतार कर सुरक्षा कर्मी से जांच कराना होगा। स्वेटर हेतु हल्के एवं आधे बांह का बंधन नहीं होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा। उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ेगा तभी परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति होगी। फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहनें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधा घंटा में एवं परीक्षा समाप्ति के आखिरी आधा घटा में परीक्षा कक्ष से बाहर जाना वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रानिक उपकरण, इलेक्ट्रानिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। प्रवेश पत्र के सभी पेज का प्रिंट आउट लें और पेज के केवल एक तरफ प्रिंट करें, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा हेतु व्यापम की प्रति परीक्षा केंद्र में जमा हो जाएगी। परीक्षार्थी को परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के साथ पहचान पत्र के रूप में मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड जिसमें अभ्यर्थी का फोटो हो, का एक मूल पहचान पत्र परीक्षा दिवस में परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे। यदि इंटरनेट से प्राप्त प्रवेश पत्र पर फोटो नहीं आता है, तो अभ्यर्थी अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो ले कर परीक्षा केंद्र में आएं। परीक्षार्थी, परीक्षा कक्ष में केवल काले या नीले बाल पाइंट पेन को ही उत्तर अंकित करने हेतु उपयोग में लाएं। चयन, प्रवेश के समय प्रवेश पत्र मांगा जाता है, अतएव इसे सुरक्षित रखें। व्यापम द्वारा दोबारा प्रवेश पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

नपाध्यक्ष सिन्हा ने श्री राम लला दर्शन हेतु श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बेमेतरां। राज्य सरकार द्वारा प्रदेशवासियों की आस्था और श्रद्धा को मूर्त रूप देने के लिए प्रारंभ की गई श्री रामलला दर्शन योजना के तहत बुधवार को सुबह 7 बजे बेमेतरा जिला मुख्यालय से 62 श्रद्धालु जय श्री राम के जय घोष के साथ बस से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, जनपद अध्यक्ष हेमा जय दिवाकर एवं एसडीएम पिंकी मनहर ने तीर्थ यात्रियों के बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के शुभारंभ पर नपाध्यक्ष सिन्हा ने श्रद्धालुओं की यात्रा के मंगलमयी होने की कामना की उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को हमारे भांचा श्री रामलला के निशुल्क दर्शन कराने की यह पुण्य यात्रा अनवरत जारी है। प्रदेशवासियो की अद्वितीय आस्था उत्साह और सरकार की प्रतिबद्धता के चलते श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस यात्रा में श्रद्धालुओं को काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन का सौभाग्य भी प्राप्त हो रहा है।

एक दिवसीय लोक कला महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा, अंतर्गत ग्राम गब्दा (पिरदा) मे जय मां महामाया जस झांकी मंडली समिति द्वारा आयोजित एक दिवसीय लोक कला महोत्सव में पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा, उपस्थित हुए इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि जैसा की लोक कला महोत्सव हमारे धार्मिक संस्था का एक प्रमुख केंद्र है तथा गांव में एक महोत्सव के रूप में मनाया जाता है जिससे हमें सीख मिलती है कि अपने गांव में भाईचारा एकता, बनाए रखने के लिए लोक महोत्सव पर्व को त्योहार मुख्य रूप से मनाया जाता है लोक कला तथा जस गायन के रूप में हम अपनी संस्कृति को समृद्ध करते हैं तथा इससे न केवल आपसी भाईचारा बढ़ता है बल्कि गांव में रौनकता भी आती है शक्ति की आराधना पूरे संसार में की जाती है और इसी शक्ति के आराधना आज हमारे ग्राम में हो रही है इस कार्यक्रम में उपस्थित सीमा टिकरिया निहाल परगनिहा चितरेन निषाद सूरज निषाद मंचस्थ मण्डली सहित भारी संख्या में ग्रामवाशी एवं कार्यकर्ता उपस्थित है।

धान खरीदी व्यवस्था उत्कृष्ट किसानों को मिल रही बड़ी राहत

मुख्यमंत्री की नीतियों पर डौंडीलोहारा की भाजपा मंडल अध्यक्ष ने जताया आभार

बालोद। डौंडीलोहारा भाजपा मंडल अध्यक्ष कुसुम शर्मा ने धान खरीदी व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन के प्रयासों की खुलकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर द्वारा सतत निरीक्षण, मैदानी अमले को दिए गए स्पष्ट निर्देश और खरीदी केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं ने किसानों को वास्तविक राहत दी है। कुसुम शर्मा ने विशेष रूप से कहा कि कलेक्टर की मेहनत और गंभीरता के कारण इस बार किसान बिना किसी चिंता के अपना धान विक्रय कर पा रहे हैं। प्रशासन ने जो व्यवस्था बनाई है, वह वास्तव में सराहनीय है। कुसुम शर्मा ने राज्य सरकार द्वारा किसानों को 3 हजार 100 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान खरीदी किए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री की किसान हितैषी नीतियों को भविष्य निर्माणकारी बताया।

उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य में वृद्धि और प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी का प्रावधान किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है और उनके मेहनत का सही मूल्य सुनिश्चित करता है। बालोद जिले में इस वर्ष धान खरीदी का सुचारू संचालन, जिला प्रशासन की तत्परता और सरकार की नीतियों के मेल का सकारात्मक परिणाम है।

जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष बने लालन सिंह

बेमेतरा। जिला के ब्लाक बेमेतरा बेरला साजा नवागढ़ के सरपंच संघ के अध्यक्षों की बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से लालन सिंह यादव अध्यक्ष सरपंच संघ नवागढ़ को जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष चुना गया तथा रघुबीर (पिन्टु,) सिन्हा अध्यक्ष सरपंच संघ बरला को जिला सरपंच संघ का उपाध्यक्ष चुना गया। अजय साहु अध्यक्ष सरपंच संघ साजा को जिला सरपंच संघ का सचिव चुना गया। ताराचंद वर्मा सरपंच संघ बेमेतरा को जिला सरपंच संघ का को कोषाध्यक्ष चुना गया। यह प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया। जिला कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्ति आगामी जिला सरपंच संघ के बैठक में लिया जाएगा।

बेमेतरा में दिव्यांग 75 अस्थिबाधित दिव्यांगों का बनाया गया दिव्यांग सर्टिफिकेट

प्रत्येक बुधवार को बनेगा जिला चिकित्सालय

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला चिकित्सालय बेमेतरा में हड्डी रोग विशेषज्ञ का पद लंबे समय से रिक्त होने कारण जिला चिकित्सालय में जिला मेडिकल बोर्ड से अस्थिबाधित दिव्यागों का मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं बन रहा था जिससे हितग्राहियों को अन्य जिला से प्रमाण पत्र बनवाने भटकना पड़ता था जिसके चलते जिला बेमेतरा वासियों को दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने जाने पर आर्थिक परेशानी से भी गुजरना पड़ता था, हालांकि सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ लोकेश साहू ने अपने स्तर पर हितग्राहियों को अन्य जिला से प्रमाण पत्र हेतु आने जाने के लिए निशुल्क एंबुलेंस व्यवस्था किया था, फिर भी हितग्राहियों को विभिन्न परेशानियों से गुजरना पड़ता था, इसे देखते हुए सिविल सर्जन ने कवर्धा जिला चिकित्सालय के ऑर्थोपेडिक डॉ गौरव परिहार से शासन स्तर पर दिव्यांग सर्टिफिकेट हेतु तैयार किया गया जो कि 20 अस्थिबाधित दिव्यागों को लाभ पहुंचा और सिविल अस्पताल सुपेला जिला दुर्ग के डॉ अनुरंजन टोप्पो द्वारा 55 अस्थिबाधित दिव्यागों को अस्थिबाधित दिव्यांग सर्टिफिकेट बनाकर लाभ पहुंचाए। अस्थिरोग विशेषज्ञ से एक दिन प्रत्येक बुधवार को जिला चिकित्सालय बेमेतरा में अस्थिबाधित दिव्यागों का मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने हेतु सेवा प्रदान करने निवेदन किया गया, जानकारी अनुसार बेमेतरा जिला में 200 हितग्राही अस्थिबाधित दिव्यांगों का सर्टिफिकेट के लिए पंजीयन करवाए है, जिसमें कुल 75 अस्थिबाधित दिव्यागों को लाभ मिल चुका हैं और क्रमशः प्रत्येक बुधवार को बुलाकर उनका दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाया जाएगा। इसकी शुरुआत शनिवार 8 नवंबर को 20 अस्थिबाधित हितग्राहियों का दिव्यांग सर्टिफिकेट जारी कर किया गया, ओर 19 नवम्बर को 55 अस्थिबाधित दिव्यागों के साथ 5 पीडियाट्रिक एवं 1 मनोरोगी का दिव्यांग सर्टिफिकेट बनाया गया, सभी पूर्व में पंजीकृत हितग्राहियों का दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने के बाद क्रमशः नए हितग्राहियों को जिला चिकित्सालय बेमेतरा में जिला मेडिकल बोर्ड से दिव्यांग सर्टिफिकेट बनने शुरू हो जाएगा उक्त जानकारी जिला चिकित्सालय बेमेतरा के अस्पताल प्रबंधक डॉ स्वाति यदु ने दी।

संक्षिप्त समाचार

धिवक्ता परिवार पर हमला न्याय व्यवस्था पर सीधा प्रहार–शत्रुहन सिंह

रायपुर। स्टेट बार काउंसिल ऑफ छत्तीसगढ़ के नव-निर्वाचित सदस्य अधिवक्ता शत्रुहन सिंह साहू द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 15 नवम्बर की रात अंबिकापुर में अधिवक्ता परिवार पर हुए हमले को अत्यंत गंभीर, निंदनीय और न्याय व्यवस्था की गरिमा पर सीधा प्रहार बताते हुए कहा कि अधिवक्ता राजेश तिवारी के पुत्र राहुल तिवारी के साथ गांधीनगर थाना क्षेत्र में पदस्थ आरक्षक संतोष कश्यप एवं उसके भाइयों द्वारा मारपीट की गई। इतना ही नहीं, बीच-बचाव करने पहुंचे अधिवक्ता राजेश तिवारी और उनकी पत्नी पर भी प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप, उसके भाई संदीप कश्यप तथा अन्य दो व्यक्तियों ने हमला किया, जो न केवल कानून के विरुद्ध है, बल्कि नागरिकों व अधिवक्ताओं की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न उठाता है। उन्होंने कहा, अधिवक्ता परिवार पर हुआ यह हमला केवल एक परिवार पर अत्याचार नहीं, बल्कि पूरी न्यायिक प्रणाली की पवित्रता और गरिमा पर सीधा और खतरनाक प्रहार है। कानून की रक्षा करने की शपथ लेने वाले पुलिस कार्मिक स्वयं कानून तोड़ने का दुस्साहस कर रहे हैं, जो पूर्णत: अमान्य और अस्वीकार्य है। अधिवक्ता श्री साहू ने गृह मंत्रालय एवं शासन-प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए घटना की उच्च स्तरीय, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कर दोषी आरक्षकों और उनके साथियों को तत्काल कठोर दंडात्मक कार्रवाई के दायरे में लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों में कठोर कार्रवाई ही भविष्य की घटनाओं पर रोक लगा सकती है।अधिवक्ता शत्रुहन सिंह साहू ने पीड़ित अधिवक्ता परिवार को हर स्तर पर सुरक्षा, सहयोग और न्याय की पूर्ण गारंटी सरकार द्वारा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए छत्तीसगढ़ में अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एक व्यवस्थित, मजबूत और प्रभावी सुरक्षा नीति लागू करने पर जोर दिया। अपनी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह हमला पूरी अधिवक्ता बिरादरी का अपमान है। अधिवक्ता समाज इस घटना से आक्रोशित है और पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। न्याय की प्राप्ति तक संघर्ष जारी रहेगा।

200 यूनिट तक आधी दर पर मिलेगी बिजली, 42 लाख परिवार होंगे लाभान्वित

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी सौगात देते हुए घरेलू बिजली दरों में महत्वपूर्ण छूट की घोषणा की है। विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बताया कि अब 200 यूनिट तक की बिजली पर उपभोक्ताओं को आधा बिल देना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निर्णय से राज्य के करीब 42 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। इनमें 36 लाख उपभोक्ता ऐसे हैं जो हर महीने 200 यूनिट तक बिजली का उपयोग करते हैं। वहीं लगभग 6 लाख उपभोक्ता, जो 200 से 400 यूनिट के बीच बिजली खर्च करते हैं, उन्हें भी अगले एक वर्ष तक 200 यूनिट तक आधी दर पर बिजली का लाभ मिलेगा। इन 6 लाख उपभोक्ताओं को यह एक साल की राहत पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घरों में सोलर प्लांट लगाने के लिए दी गई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर उपभोक्ता को सस्ती, निर्बाध और भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराना है। चूंकि सोलर प्लांट लगाने की प्रक्रिया समय लेती है, इसलिए 1 दिसंबर से घरेलू उपभोक्ताओं के लिए यह नई योजना लागू की जा रही है, जिससे आम जनता के बिजली बिलों में भारी कमी आएगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अतिरिक्त सब्सिडी दे रही है किलोवाट सोलर प्लांट पर 15,000 रुपये, किलोवाट या उससे अधिक क्षमता के प्लांट पर 30,000 रुपये तक की अतिरिक्त सहायता। सरकार की यह पहल राज्य में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देगी और आने वाले समय में उपभोक्ताओं को आधी नहीं बल्कि पूरी तरह मुफ्त बिजली का लाभ मिलने का रास्ता तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि यह फैसला न केवल जनता के बिजली खर्च को कम करेगा, बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी अहम कदम साबित होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी जी की जनआकांक्षी योजनाओं को कांग्रेसजनों ने किया याद

रायपुर। राजधानी में आज पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती पर कांग्रेस भवन तथा कालीबाड़ी प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कांग्रेसजनों ने इंदिरा जी कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए वे अदाम्स साहसी और लौह पुरूष महिला थी, जिन्होंने समाज के लिए अनेक कार्यक्रम किए जिसके चलते उन्हें गरीबों का मसीहा कहा जाता था। कालीबाड़ी स्थित प्रतिमा स्थल में भी उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। राजधानी में कांग्रेस भवन में भी एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कांग्रेसजन शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भी इंदिरा जी को नमन किया और उन्हें याद किया, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को पहचान दिलाई थी। वे देश के प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहर लाल नेहरू की पुत्री थी, उन्होंने ने अनेक गरीबों के हितों में साहसिक फैसला लिए थे। कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय ने बताया कि आज कांग्रेस भवन में इंदिरा जी के साहसिक कार्यों के लिए उन्हें याद किया गया।

3775 बीसी सखियाँ सक्रिय रूप बैंकिंग सेवाएँ दे रही

हजारों स्व-सहायता समूह को मिला वित्तीय सशक्तिकरण

- ग्रामीण समृद्धि, महिला नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की नई दिशा
- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया छत्तीसकला ब्राण्ड एवं डिजिटल फइनेंस बुकलेट का किया विमोचन

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में बुधवार का दिन ग्रामीण आजीविका, महिला उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को नई ऊर्जा देने वाला दिन रहा। जहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त के राज्य स्तरीय वितरण कार्यक्रम के अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और हजारों ग्रामीण महिलाओं की उपस्थिति में बहुप्रतीक्षित एकीकृत राज्य ब्राण्ड छत्तीसकला तथा डिजिटल फइनेंस बुकलेट का विमोचन किया। ग्रामीण महिला उत्पादों को मिला राज्य का पहला एकीकृत ब्राण्ड 'छत्तीसकला' राज्य की ग्रामीण गरीब महिलाओं द्वारा निर्मित गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को एक ही पहचान और एकीकृत बाजार मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ने 'छत्तीसकला' ब्राण्ड की शुरुआत की है। इस ब्रांड के अंतर्गत वर्तमान में मिलेट्स आधारित खाद्य उत्पाद, चाय, अचार, स्नैक्स, हैंडलूम एवं हस्तशिल्प निर्मित ढोकरा आर्ट, बांस शिल्प, मिट्टी एवं लकड़ी उत्पाद, अगरबत्ती एवं पूजा सामग्री जैसे विविध उत्पादों पर मानकीकरण, पैकेजिंग और ब्रांडिंग के साथ व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की योजना है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छत्तीसकला ब्रांड ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, हुनर और आत्मनिर्भरता

का प्रतीक बनेगा। यह ब्राण्ड उनके उत्पादों को राज्य से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक ले जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने डिजिटल फायनान्स बुकलेट का भी विमोचन किया गया, जिसमें राज्यभर की 48 बैंकिंग कोरेस्पोंडेंट सखियों (बीसी सखियों) की प्रेरणादायक सफलताओं को दर्ज किया गया है। वर्तमान छत्तीसगढ़ में कुल 3775 बीसी सखियाँ सक्रिय रूप से घर-घर बैंकिंग सेवाएँ दे रही हैं और पिछले चार वर्षों में 3033.48 करोड़ से अधिक का वित्तीय लेन-देन कर चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो महिलाएँ कभी घरों से बाहर निकलने में संकोच करती थीं, आज वही महिलाएँ गाँव-गाँव वित्तीय सेवाएँ पहुँचाकर सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन की राह बना रही हैं। इस भव्य कार्यक्रम से ग्रामीण महिला समूहों को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। जिसके अंतर्गत 1080 स्व-सहायता समूहों को 1.62 करोड़ रुपए की रिवॉल्विंग निधि एवं 8340 स्व-सहायता समूहों को 50.04 करोड़ रूपए की सामुदायिक निवेश निधि, बैंक लिंकेज के रूप में 229.74 करोड़ रूपये प्रदान किये गए। इसके साथ ही 1533 महिला उद्यमियों को 6.23 करोड़ रुपए का उद्यमिता ऋण भी प्रदान किया गया है। इन वित्तीय प्रावधानों से ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि एवं नए उद्यमों की स्थापना और आर्थिक स्वावलंबन को मजबूती मिलेगी। धमतरी में हुआ यह आयोजन न केवल आर्थिक सहायता का वितरण था, बल्कि 'आत्मनिर्भर ग्रामीण छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। 'छत्तीसकला' ब्राण्ड, बीसी सखी मॉडल और व्यापक वित्तीय समर्थन तीनों मिलकर ग्रामीण आजीविका की दशा और दिशा बदलने वाले साबित होंगे।

खेल प्रतिभाओं को नया मंच दे रहा है सांसद खेल महोत्सव

रायपुर। संवाददाता

ग्रामीण भारत की खेल प्रतिभाओं को पहचान, प्रोत्साहन और मंच देने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव लगातार नई ऊंचाइयाँ छू रहा है। बुधवार को अंजनेय विश्वविद्यालय, नरदहा में आयोजित सांसद खेल महोत्सव - आरंग ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता के भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें उचित अवसर और मार्गदर्शन की जरूरत है। यह महोत्सव उन छुपी हुई प्रतिभाओं के लिए सुनहरा अवसर है जो मेहनत और संकल्प के बल पर बड़े मंच तक पहुंचना चाहती हैं। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्काउट्स एंड गाइड्स के कैडेट्स, खिलाड़ियों और जनता ने सांसद अग्रवाल का उत्साहपूर्ण स्वागत किया। समारोह के दौरान 163 गांव के लगभग 4700 खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, गेड़ी, फुगड़ी और रस्सीकूद जैसे पारंपरिक और आधुनिक खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, तब पूरा परिसर जोश और प्रतिस्पर्धा के रंग में रंग गया। सांसद अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा, छत्तीसगढ़ की माटी ने हमेशा से खेल के क्षेत्र में देश को गौरवान्वित किया है। सबा अंजुम, रेणुका यादव, हेमबती नाग, राजेश चौहान, शशांक सिंह और ज्ञानेश्वरी यादव जैसे खिलाड़ी हमारी इसी मिट्टी के सपूत हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की पहचान बनाई है। हमारा उद्देश्य ऐसे ही नए खिलाड़ियों को अवसर देना और उन्हें देश का गौरव बनाना है। समापन अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विजेता खिलाड़ियों को सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सम्मानित करते हुए पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए तथा उन्हें ऊँचे लक्ष्य साधने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सांसद अग्रवाल ने अंजनेय विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित बेस्टबॉल और टेनिस कोर्ट का उद्घाटन भी किया।

हीरापुर में देर रात दर्दनाक सड़क हादसा, तेज रफ़्तार ट्रक से युवक की मौके पर मौत

रायपुर। राजधानी के कबीर नगर थाना क्षेत्र में बीती रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां हीरापुर इलाके में सड़क पार कर रहे एक युवक को तेज रफ़्तार ट्रक ने बेरहमी से कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है और इलाके में शोक का माहौल है। कबीर नगर थाना प्रभारी सुनील दास ने बताया कि यह हादसा देर रात लगभग 12 बजे के आसपास हुआ। मृत युवक सड़क पार कर रहा था तभी अचानक तेज गति से आ रहे ट्रक चालक ने नियंत्रण खो दिया और युवक को जोरदार टक्कर मारते हुए कुचल दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

पटवारियों के इंकार के बाद पंचायत सचिवों को बनाया प्रभारी

धान खरीद पाने में सरकार असफल मृत सचिवों को बना दिया प्रबंधक

- पंचायत सचिवों को खरीदी में संलग्न करने से पंचायतों का काम पूरी तरह हो जाएगा प्रभावित

रायपुर/ संवाददाता

खरीफ सीजन 2025-26 के लिए धान खरीद पाने में सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। पटवारियों के इंकार के बाद अब शासन ने पंचायत सचिवों को प्रभारी प्रबंधक बनाने का आदेश जारी किया है। इनमें कई ऐसे भी हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इससे पंचायतों का काम तो प्रभावित होंगे ही, साथ ही समितियों में धान खरीदी हो पाना असंभव सा नजर आ रहा है। उक्त बाते पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कही। श्री चंद्राकर ने कहा कि शासन प्रशासन धान खरीदी को लेकर गंभीर नहीं है। आनन-फानन में अव्यवस्थित तरीके से समिति में धान खरीदना चाहती है। जिन पंचायत सचिवों को प्रभारी बनाया गया है उनमें कई सचिवों की मृत्यु हो गई है। ऐसे में जिन सोसायटियों का प्रभार मृत सचिवों को दिया गया है, वहां वे मृत सचिव कैसे ज्वॉइन कर पाएंगे। वहां धान खरीदी कैसे संभव है? पिथौरा आरंगी सोसायटी में मृत रवि लाल चौहान, बड़े टेमरी में दुबराज साहू को प्रभारी बनाया गया है। इन सचिवों का देहांत हो चुका है। वहीं, महासमुंद में ललित यादव और शंकर साहू जो निलंबित हैं उनका ड्यूटी बेलटुकरी व बड़गाँव में लगाया गया है। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि पहले पटवारियों को प्रभारी बनाकर पटवारियों के काम को प्रभावित करने का प्रयास किया गया।

थाना परिसर में होशियार रहें सियान के बैनर तले बैठक संपन्न हुआ........

रायपुर/ संवाददाता

राजनांदगांव के थाना गैंदाटोला परसिर में होशियार रहें सियान के बैनर तले व्यापक रूप में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 52 गावों के सरपंच-पंच, कोटवार, व प्रमुख व्यक्ति शामिल हुए। बैठक में धान केन्द्रों में बिक्री व बैंको से पैसो की निकासी में नियमों व सावधानी की जानकारी, सायबर अपराधों से बचने की सावधानी एवं जागरूकता की जानकारी दी गई। दिनांक 19-11-2025 को पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राहुल देव शर्मा, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोगरगांव , दिलीप सिंह सिसोदिया के मार्ग दर्शन में, थाना प्रभारी निरीक्षक कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में थाना परिसर गैंदाटोला में होशियार रहें सियान के बैनर तले एक व्यापक बैठक रखी गयी जिसमें 52 गांवों के सरपंच-पंच, कोटवार, व प्रमुख व्यक्तियों के द्वारा जनजागरूता में अपनी सहभागिता निभाते हुये व असंवैधानिक तत्व के खिलाफएक कदम बढ़ाते हुये बैठक में शामिल हुआ ,बैठक की अध्यक्षता करते हुये थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन के द्वारा वर्तमान में जारी शासकीय धान केन्द्रों में धान की बिक्री एवं बैंकों से पैसों की निकासी के नियमों की जानकारी दी गयी जिसमें जानकारी निम्न हैं धान बिक्री केन्द्र ले जाते समय- लाने-ले जाने की उचित व्यवस्था पर ध्यान रखे वाहनो पर क्षमता से अधिक धान ना रखे , टोकन के आधार पर ही धान बिक्री केन्द्र लेकर जावें । बैंकों से पैसें निकासी करते समय- बैंक दस्तावेज व पैसा लाने- ले जाने हेतु अच्छी बैग-थैला रखे,बैंक अकेला ना जावें हमेशा अपने परिवार भरोसेमंद व्यक्ति के साथ आना-जाना करें, शराब का सेवन ना करें , पैसे निकासी के बाद सभी दस्तावेज व पैसों को लेकर सीधे घर पर ही जावें , अज्ञात व्यक्ति से बात ना करें व अज्ञात फोन कॉल को ना उठाये, किसी भी प्रकार से संदिग्ध होने की आशंका पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाना को में सुचित करें । सायबर जागरूकता के तहत - धान बिक्री होने से सभी किसानों के बैंक खाता में पैसा रहता हैं ऐसे में साबयर फ्राड के द्वारा धान टोकन देने , बैंकों में मोबाईल नंबर अपडेट, आधार लिंक करने, व रिश्तेदार बन कर आपके मोबाईल ओटीपी, आधार कार्ड नंबर, एटीएम नंबर, व बैंक खाता क्रमांक की मांग कर सकता हैं।

सांसद खेल महोत्सव को लेकर युवाओं में दिख रहा जबरदस्त उत्साह.........

रायपुर। रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के विभिन्न जोनो के समूह बनाकर भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशानुसार फीट इंडिया और खेलो इंडिया मूव्हमेंट के अंतर्गत रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव का आज शुभारंभ महोत्सव अंतर्गत नगर निगम रायपुर के जोन 9, 10, माना कैंप नगर पंचायत जोन में होलीकास कांपा स्कूल मैदान में हो गया। यहां 19 वर्ष आयु से कम एवं 19 वर्ष आयु से अधिक वर्ग की महिला पुरूष टीमो की कबड्?डी खो-खो, वॉलीबाल, बास्केटबॉल, शतरंज, कुश्ती, फुगड़ी, गेड़ी, रस्सी कूद, रस्सा खीच आदि पारंपरिक खेल में स्पर्धाएं रोचक तरीके से प्रारंभ हुई। 13 खेल विधाओं में 4-4 टीमें आपस में खेल स्पर्धाएं कीं एवं जानकारी दी गई कि रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव में फइनल ग्रैण्ड फिनाले 29 नवंबर 2025 को रायपुर लोकसभा सांसद के निर्देशानुसार रायपुर में रखा गया है। रायपुर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव को लेकर रायपुर शहर के स्कूल, कालेज के विद्यार्थियों, युवाओं के मध्य जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है.

सिम्स बनेगा सेमीकंडक्टर आधारित स्टरलाइजेशन सिस्टमयुक्त मेडिकल कॉलेज

- यह सहयोग सिम्स को प्रदेश के अग्रणी हाईटेक मेडिकल सेंटर के रूप में स्थापित करेगा

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर ने स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए प्रदेश में एक नया इतिहास रच दिया है। सिम्स प्रदेश का पहला ऐसा मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है जहाँ अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर आधारित एयर प्यूरीफिक्रेशन एवं स्टरलाइजेशन सिस्टम स्थापित किया जाएगा। इस अत्याधुनिक तकनीक की स्थापना हेतु सिम्स और स्श्वष्टरुके बीच आज महत्वपूर्ण स्रूह्र (समझौता ज्ञापन) संपन्न हुआ। समझौते पर सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति तथा स्श्वष्टरुके त्तरू(ष्टस्क्र) श्री सी. एम. वर्मा, ने हस्ताक्षर किए यह अत्याधुनिक प्रणाली अस्पतालों में मौजूद पारंपरिक फिल्टर या सामान्य एयर प्यूरीफिक्रेशन सिस्टम से कई गुना अधिक प्रभावी मानी जाती है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं कि यह अस्पताल की हवा में मौजूद वायरस, बैक्टीरिया, फंगल स्पोर्स सहित सूक्ष्मजीवों को 99त्न तक निष्क्रिय करने की क्षमता रखता है, ढ्ढष्ट, ह्रञ्ज, वार्ड व ह्लक्क्ष्ठ में संक्रमण नियंत्रण के लिए अत्यंत प्रभावी, ऊर्जा की बचत और लंबे समय तक स्थायी रूप से संचालन योग्य, वायु गुणवत्ता को मेडिकल-ग्रेड स्तर तक शुद्ध करने की क्षमता है। इस तकनीक के लागू होने से सिम्स प्रदेश का पहला ऐसा चिकित्सा संस्थान बन जाएगा जहाँ अस्पताल परिसर की संपूर्ण हवा मेडिकल-ग्रेड स्टरलाइज्ड होगी, जिससे संक्रमण जोखिम लगभग समाप्त हो जाएगा। स्श्वष्टरु द्वारा स्टरलाइजेशन सिस्टम की स्थापना हेतु आवश्यक उपकरण, तकनीकी विशेषज्ञता, इंस्टॉलेशन एवं रखरखाव हेतु वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। यह सहयोग सिम्स को प्रदेश के अग्रणी हाईटेक मेडिकल सेंटर के रूप में स्थापित करेगा। सिम्स और स्श्वष्टरुके बीच हुआ यह समझौता प्रदेश में स्वास्थ्य-तकनीक के उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल संक्रमण-रहित वातावरण की दिशा में बड़ी उपलब्धि है, बल्कि सिम्स को एक मॉडल मेडिकल कॉलेज के रूप में स्थापित करने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। सेमीकंडक्टर एवं स्टरलाइजेशन सिस्टम की स्थापना के बाद सिम्स प्रदेश का पहला ऐसा मेडिकल कॉलेज बन जाएगा जहाँ अस्पताल परिसर पूर्णत: उच्च-स्तरीय, स्टरलाइज्ड एवं सुरक्षित वातावरण से सुसज्जित होगा— जो भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली का आधार बनेगा।

धान खरीदी में तेज़,पारदर्शी और तकनीक आधारित प्रक्रिया से किसानों में उत्साह

किसान तुंहर टोकन ऐप से मिली सुविधा और सुझावों के लिए समाधान पेटी की व्यवस्था....

- बेहतर और सुविधाजनक धान खरीदी के लिए किसान दिलेश्वर ध्रुव ने मुख्यमंत्री जी का जताया आभार

रायपुर/ संवाददाता

बलौदाबाजार जिले में धान खरीदी महाभियान 2025 तेज़ी से और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित हो रहा है। शासन एवं प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा हेतु किए गए प्रबंधों का सकारात्मक परिणाम उपार्जन केंद्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ग्राम रानीजरौद के प्रगतिशील किसान श्री दिलेश्वर ध्रुवजो

कि 7 एकड़ भूमि में खेती करते हैं:अपने 155 कट्टा धान लेकर उपार्जन केंद्र पहुंचे। खरीदी केंद्र में सुव्यवस्थित व्यवस्था और त्वरित प्रक्रिया से वे अत्यंत संतुष्ट दिखे। किसान श्री ध्रुव ने बताया कि मोबाइल में किसान तुंहर टोकन ऐप के माध्यम से उन्हें कुछ ही क्षणों में टोकन प्राप्त हो गया, जिससे खरीदी प्रक्रिया और भी सरल व शीघ्र हो गई।उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था काफी बेहतर और किसान के सुविधा अनुरूप है। किसानों की सुविधा और सुझावों को ध्यान में रखते हुए उपार्जन केंद्र में एक 'समाधान पेटी' की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें किसान अपने सुझाव एवं आवश्यक जानकारी दर्ज प्रेषित कर सकते हैं। इससे प्रशासन को खरीदी व्यवस्था और अधिक मजबूत व पारदर्शी बनाने में सहायता मिलेगी। समर्थन मूल्य पर सुरक्षित, समयबद्ध और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था से किसानों का विश्वास और भी बढ़ा है। जिला प्रशासन द्वारा सभी उपार्जन केंद्रों में बेहतर प्रबंधन, निगरानी और सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे खरीदी महाभियान सफ्लतापूर्वक संचालित हो रहा है।

संपादकीय

नक्सलवाद पर अब तक का

शीर्ष नक्सली कमांडर माडवी हिडमा का खात्मा हाल में नक्सलवाद के खिलाफ मिली बहुत बड़ी सफलताओं में से एक है। उसके एनकाउंटर से सुरक्षाबलों की लगभग दो दशक पुरानी तलाश ही खत्म नहीं हुई, नक्सलियों के पहले से ही कमजोर पड़े शीर्ष नेतृत्व पर तगड़ी चोट पहुंची है। इससे देश अगले साल 31 मार्च तक नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्त होने के लक्ष्य के और करीब पहुंच गया है। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। वह उस पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन का कमांडर था, जिसे सबसे खूंखार माना जाता है। हिडमा से पहले इस साल मई में सुरक्षाबलों ने सीपीआई (माओवादी) के जनरल सेक्रेटरी नरसिम्हा उर्फ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार गिराया था। इसके अलावा इस साल विभिन्न मुठभेड़ में 300 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके है, जिनमें पोलित ब्यूरो के कई सदस्य भी है। चारों तरफ से पड़ रहे दबाव के बीच नक्सलवाद अब एक छोटे-से इलाके में सिमट कर रह गया है। हिडमा को छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश की सीमा पर मारा गया। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ से खदेड़े जाने के बाद वह आंध्र से आंदोलन को जारी रखना चाहता था। यह चौकन्ना होने वाली बात है। बस्तर और अबूझमाड़ के अपने गढ़ से बेदखल नक्सलियों को कहीं और पैर जमाने का मौका नहीं मिलना चाहिए। जो प्रेशर बना है, वह बना रहे तो यह समस्या जल्द ही खत्म हो जाएगी। सरकार ने नक्सलियों के सामने सरेंडर का रास्ता खुला रखा है। मंगलवार को भी कई नक्सलियों ने हथियार डाले। ये अच्छे संकेत है। जब नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ेंगे, तो जमीनी स्तर पर बदलाव भी आएगा। नक्सली खात्मे के साथ इन इलाकों को विकास भी चाहिए। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे।

अपराधियों से निपटने और धार्मिक स्थलों की आड़ में आम लोगों का जीना दुश्वार करने वाले लोगों को कानून का पाठ पढ़ाने की सीख उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार से देश के अन्य राज्यों की सरकारों को भी लेनी चाहिए। दलगत राजनीति से हटकर योगी सरकार ने साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत और व्यापक जनहित से जुड़े हों तो समझाइश से भी समस्या का हल किया जा सकता है। ऐसा धार्मिक स्थलों पर कानफाड़ू लाउडस्पीकर्स को हटा कर किया गया। योगी सरकार ने साफ कर दिया है कि धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर्स की तेज आवाज से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लखनऊ में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया। राजधानी लखनऊ में धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगे लाउड स्पीकर हटाने का अभियान के तहत वजीरगंज इलाके में पुलिस की टीम ने मस्जिदों और मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर और स्पीकर हटवाए।

समस्याओं से निपटने का तरीका योगी सरकार से सीखें राज्य

(योगेंद्र योगी)

पुलिसकर्मियों ने मस्जिदों के इमामों और मंदिरों पुजारियों को समझाया कि तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का इस्तेमाल गैर कानूनी है, इसे उतार लें। यह कार्रवाई धार्मिक नेताओं और स्थानीय समितियों के सहयोग से शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। उत्तर प्रदेश में 1400 से ज़्यादा लाउडस्पीकर हटाए गए या उनकी आवाज़ कम की गई। ये लाउडस्पीकर धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक जगहों पर लगे थे। यह कार्रवाई ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियमों के उल्लंघन की शिकायतों के बाद की गई है। कानपुर जोन में इस अभियान के तहत 8 जिलों से 382 लाउडस्पीकर हटाए गए। मेरठ जोन में 381 लाउडस्पीकर हटाए गए। इनमें से अकेले हापुड़ से 110 लाउडस्पीकर निकाले गए, जो राज्य में सबसे ज़्यादा हैं। प्रयागराज जोन में, जहाँ 7 जिले शामिल हैं, 233 लाउडस्पीकर तय शोर सीमा से ज़्यादा पाए गए। उन्हें आवाज़ को तय सीमा तक कम करने का निर्देश दिया गया, जबकि 51 लाउडस्पीकर हटा दिए गए। इस जोन में करीब 1200 लाउडस्पीकर लगे हुए हैं।

लखनऊ जोन में भी कम से कम 350 लाउडस्पीकर हटाए गए। आगरा जोन में भी करीब 150 लाउडस्पीकर हटाए गए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ध्वनि प्रदूषण से आम जनता को परेशानी न हो और शांति व्यवस्था बनी रहे। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नियमों के दायरे में ही होना चाहिए, ताकि किसी को असुविधा न हो। गौरतलब है कि योगी सरकार ने 2022 से यूपी के धार्मिक स्थलों से अवैध लाउडस्पीकर हटाने का अभियान शुरू किया था और अब तक यूपी में धार्मिक स्थलों से एक लाख से ज्यादा लाउडस्पीकर्स हटाये जा चुके हैं वहीं, डेढ़ लाख से ज्यादा लाउडस्पीकर्स की आवाज कम की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धार्मिक आयोजन धार्मिक स्थल के भीतर तक ही सीमित होने चाहिए। सड़क पर किसी भी पर्व त्यौहार का आयोजन नहीं होना चाहिए,वहीं लाउडस्पीकर दोबारा न लगे यह जिम्मेदारी जिलाधिकारियों की होगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन धार्मिक स्थल के परिसर में ही होना चाहिए। रास्तों में इसका आयोजन नहीं होना चाहिए।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर पर हो रहे अजान को लेकर राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार

को चेतावनी दी थी। इसके बाद से ही देश के कई राज्यों में लाउडस्पीकर के खिलाफ आवाज उठने लगी। शहरी ध्वनि प्रदूषण चुपचाप हमारे समय की सबसे उपेक्षित जन स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बनकर उभरा है। ध्वनि प्रदूषण सिर्फ़ पर्यावरणीय उदासीनता नहीं है। यह संवैधानिक उपेक्षा की सीमा पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, शांत क्षेत्रों में सुरक्षित सीमा दिन में 50 डीबी (ए) और रात में 40 डीबी (ए) है। फिर भी, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों में, संवेदनशील संस्थानों के पास रीडिंग अक्सर 65 डीबी (ए)-70 डीबी (ए) तक पहुँच जाती है। शहरी ध्वनि प्रदूषण और त्यौहारों का शोर सुनने की क्षमता के लिए खतरा बन रहा है। जब 'शांत क्षेत्र' शोर का केंद्र बन जाते हैं, तो यह राज्य की क्षमता और नागरिक सम्मान पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। साल 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने पुनः पुष्टि की कि पर्यावरणीय व्यवधान - जिसमें अत्यधिक शोर भी शामिल है। अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और सम्मान के मौलिक अधिकार का उल्लंघन कर सकते हैं। ध्वनि प्रदूषण (वी) मामले में, न्यायालय ने माना कि अनियंत्रित शहरी शोर मानसिक स्वास्थ्य और नागरिक स्वतंत्रता के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करता है।

भारत में ध्वनि प्रदूषण से होने वाली मौतों का कोई सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन अनुमान है कि इससे हुए इस्कीमिक हृदय रोग के कारण लगभग 12,000 मौतों और प्रति वर्ष 48,000 नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। ध्वनि प्रदूषण से उच्च रक्तचाप, तनाव, नींद की कमी और सनने में समस्या जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जो अप्रत्यक्ष रूप से मौतों का कारण बन सकती हैं। पर्यावरण क्षेत्र में कार्य करने वाली अर्थ फाइवआर संस्था ने 2023 में भारत में ध्वनि प्रदूषण पर एक व्यापक सर्वेक्षण में बताया गया कि आवासीय क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण का शोर का स्तर 50 डीबी की सीमा से लगभग 50 प्रतिशत अधिक था। 80 डीबी वाली ध्वनि कानों पर अपना प्रतिकूल असर शुरू कर देती है। 120 डीबी की ध्वनि कान के पर्दों पर भीषण दर्द उत्पन्न कर देती है और यदि ध्वनि की तीव्रता 150 डीबी अथवा इससे अधिक हो जाए तो कान के पर्दे फट सकते हैं, जिससे व्यक्ति बहरा हो सकता है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि भारत में ध्वनि प्रदूषण की वजह से कम सुनने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत 6.3 करोड़ की आबादी ऐसी है, जो सुनाई नहीं देने की समस्या से पीड़ित है। इतना ही नहीं यूनाइटेड नेशंस एनवाइरमेंट प्रोग्राम की ओर से जारी कई गई वार्षिक 'फ्रंटियर रिपोर्ट 2022 में भारत के मुरादाबाद शहर को विश्व का दूसरे नंबर का सबसे अधिक ध्वनि प्रदूषित शहर घोषित किया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि ध्वनि प्रदूषण की वजह से शारीरिक और मानसिक कल्याण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। खासकर इन एक्टिविटीज से भारत के युवा अपनी श्रवण क्षमता यानी सुनने की क्षमता तेजी से खोते जा रहे हैं। यही हाल रहा, तो साल 2030 तक भारत में कम सुनने वालों की संख्या दोगुनी से ज्यादा यानी 13 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। इस रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि भारत में 10 में से दो लोग ही इस समस्या का इलाज करवाते हैं और श्रवण यंत्र पहनते हैं। नॉर्थ अमेरिका ब्रीडिंग बर्ड सर्वे के मुताबिक पिछले 50 वर्षों में गौरैयों की संख्या 82 प्रतिशत तक कम हो चुकी है। शहरों में बढ़ता हुआ प्रदूषण गौरैयों के जीवन के लिए सबसे बड़ा संकट है। विश्व के सभी देशों में पर्यावरण प्रदूषण एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। पृथ्वी पर संतुलन बनाने के लिए जीव-जंतु, पेड़-पौधें, जल और इंसानों आदि का एक संतुलित संख्या में होना बेहद जरूरी है। इन सभी के संतुलन से ही पृथ्वी पर जीवनचक्र बना रहता है लेकिन बढ़ते प्रदूषण से हम जो सांस लेते हैं, खाना खाते हैं, पानी पीते हैं, उन सभी में किसी न किसी प्रकार से प्रदूषण के कण हमारे अंदर तो आते ही हैं। इसके साथ ही पशु-पक्षियों का भी अस्तित्व संकट में है। पक्षियों को जल और वायु प्रदूषण से तो खतरा है ही इसके साथ ध्वनि प्रदूषण से उनकी प्रजनन क्षमता पर असर पड़ रहा है। जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर ऑर्निथोलॉजी के शोधार्थियों ने जेब्रा फिंच नाम के पक्षी पर अध्ययन किया है। इस अध्ययन के मुताबिक पक्षियों के प्रजनन की शक्ति घट रही है और उनके व्यवहार में भी परिवर्तन देखा गया है। अध्ययन में दावा किया गया है कि शोर की वजह से पक्षियों के गाने-चहचहाने पर भी फर्क पड़ता है। कंजर्वेशन फिजियोलॉजी नाम की पत्रिका में यह अध्ययन प्रकाशित भी किया गया है। भारत का कानूनी ढाँचा, कागज़ों पर तो मज़बूत है, लेकिन उसके क्रियान्वयन में बिखराव है। ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 को शहरी वास्तविकताओं के अनुरूप शायद ही कभी क्रियान्वित किया जाता है। नगर निकायों, यातायात पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के बीच समन्वय बहुत कम है। राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एक राष्ट्रीय ध्वनिक नीति की तत्काल आवश्यकता है। ऐसे ढाँचे में सभी क्षेत्रों में अनुमेय डेसिबल स्तरों को परिभाषित किया जाना चाहिए, नियमित ऑडिट अनिवार्य किए जाने चाहिए और स्थानीय शिकायत निवारण तंत्र को सशक्त बनाया जाना चाहिए। अंतर-एजेंसी तालमेल के बिना, प्रवर्तन छिटपुट और प्रतीकात्मक ही रहेगा। शहरी शोर के विरुद्ध लड़ाई केवल नियामक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है। शहरों को ध्वनि-सहिष्णुता की साझा नैतिकता विकसित करनी होगी। जन अभियानों को नारों से आगे बढ़कर स्कूलों, चालक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सामुदायिक स्थलों में गहन शिक्षा तक पहुँचाना चाहिए। जब तक भारत शहरी शोर के प्रति अधिकार-आधारित दृष्टिकोण नहीं अपनाता, तब तक उसके स्मार्ट शहर ध्वनि के स्तर पर रहने लायक नहीं रह पाएँगे।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दिल्ली से बेंगलुरु तक विरोध प्रदर्शन करने लगे अमीर

(मनु जोसेफ)

वे अंग्रेजी में तख्तियां लिए खड़े थे। उनके गंभीर चेहरे पर नाराजगी साफ-साफ देखी जा सकती थी। यह उस विरोध-प्रदर्शन का दृश्य था, जो दिल्ली के संपन्न तबकों के लोग वायु प्रदूषण के खिलाफ कर रहे थे। यह अभूतपूर्व तो नहीं था, लेकिन सामान्य भी नहीं था। राष्ट्रीय राजधानी ही नहीं, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में भी उच्च वर्गों ने सरकार से बेहतर जीवन की सार्वजनिक मांग की है।

उनके विरोध-प्रदर्शनों का सिलसिला यूं बढ़ना अच्छी खबर है, फिर चाहे उनकी आवाज बेशक अभी कम है और चिंताएं भी ऐसी नहीं हैं, जिनसे राजनेताओं की पेशानी पर बल पड़े। अभी ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी एक बड़ी वजह बदलता अमेरिका है। दरअसल, भारत का शहरी उच्च-मध्यवर्ग अब तक अपने ही देश में पर्यटकों जैसा व्यवहार करता रहा है। मगर अब उसे लग रहा है कि अमेरिका में प्रवास करना पहले से ज्यादा कठिन हो गया है। वहां कॉलेज में दाखिला मिल जाना लंबे वक्त बिताने की गारंटी नहीं है। इसलिए उसमें यह इच्छा जगी है कि भारत वापस लौटने के बाद उसे नरक जैसी जिंदगी न मिले, तो कितना अच्छा होगा!

निस्संदेह, उच्च वर्गों में नागरिक भावनाएं बढ़ती हैं, तो यह देश के लिए अच्छी बात होगी। आजादी के आंदोलन के बाद (जिसे मैं आम जनता की कल्पना पर कब्जा करने वाले विदेशी अभिजात्य वर्ग के खिलाफ भारतीय उच्च वर्ग का संघर्ष मानता हूं) शहरी कुलीन वर्ग ने सामूहिक रूप से राष्ट्र-निर्माण में शायद ही भाग लिया। यहां केरल और पश्चिम बंगाल को अपवाद मान सकते हैं। ऐसा इसलिए नहीं था कि वह कुलीन वर्ग ग्रामीण हितैषी नए राजनीतिक वर्ग के उभार और नए भारत की नाउम्मीदी से निराश थी। बल्कि, इस वर्ग के लोग पश्चिम के राष्ट्रों को अधिक उन्नत मानते थे और भारत से पलायन करना ही उनके लिए तरक्की का मापदंड था, भले ही उनमें से ज्यादातर भारत से पलायन नहीं कर पा रहे थे। 1980 के दशक तक, हमारे शहरी मध्यम वर्ग के बच्चों के लिए पलायन एक संभावना थी। मेरी पीढ़ी के बेहतरीन लोग तो इसी की तैयारी किया करते थे। मगर अब नई पीढ़ी के जहीन स्वदेश में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ज्यादातर नौजवानों और उनके माता-पिता ने महसूस किया है कि भारत ही वह जगह है, जहां वे सबसे ज्यादा खुश रह सकते हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका बदल गया है, पश्चिम बदल गया है।

जो हमेशा के लिए देश छोड़ने की क्षमता रखते हैं, उनके लिए यह देश पहले कभी इतना आकर्षक नहीं रहा है। लिहाजा, जब देश छोड़ना अच्छा विचार न हो, तो उसे सुधारना ही अच्छा काम हो सकता है। भारत में मुख्यधारा के विरोध-प्रदर्शन आमतौर पर ग्रामीण प्रकृति के होते हैं, भले ही वे शहरों में हों। ऐसे प्रदर्शन गंभीर भी होते हैं (जैसा किसानों का प्रदर्शन) और हास्यास्पद भी (जब भावनाएं 'आहत' होने के बाद किसी का पुतला दहन किया जाता है)। मैंने गरीबों को सिनेमा हॉल के अंदर न जाने देने पर आंदोलन करते देखा है, मगर बेहतर स्कूल व इलाज की सुविधाओं के लिए नहीं। इसके अलावा, आम लोगों के पास ऐसी ढेरों परेशानियां हैं, जिनसे अमीर भी जूझ रहे हैं- जैसे वायु प्रदूषण, सड़कें आदि।

पहली बार मैंने उनका बड़ा प्रदर्शन 2008 के आतंकी हमले के बाद देखा था, जो सबसे संपन्न इलाकों में से एक दक्षिण बॉम्बे में हुआ था। मगर उससे मुंबई के ज्यादातर मतदाता दूर ही रहे, क्योंकि वे इसे अपना आंदोलन नहीं मान रहे थे। यह बात इन संपन्न तबकों के प्रदर्शनकारियों को भी पता है कि वे तब तक प्रभावी नहीं हो सकते, जब तक आम आदमी के दिलों को नहीं छू सकेंगे। ऐसा होना मुश्किल है, पर उनका विरोध प्रभावी बने, इसके लिए मेरे पास एक उपाय है।

उन्हें तमाम शहरों में, छह महीने तक विरोध-स्वरूप मंहगी चीजें खरीदनी बंद कर देनी चाहिए। बेहतर हवा, पार्क व अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए उन्हें घर, कार, टीवी- कुछ नहीं खरीदना चाहिए। आखिर क्यों? क्योंकि, विरोध-स्वरूप कर न चुकाने का यही एक कानूनी तरीका है। इसका दबाव पड़ सकेगा। (लेखक पत्रकार और उपन्यासकार है) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

लैंड पूलिंग और ममलेश्वर लोक प्रस्ताव का मसला

यह बैकफुट नहीं, सरकार का बैकअप है

उदय खरे

राज्य के विकास एवं जनता के लिए कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण किया जाता है. यह संभव नहीं होता कि प्रत्येक योजना अथवा कार्यक्रम चाकचौबंद हो क्योंकि इन योजनाओं का निर्माण नौकरशाह करते हैं और राज्य के मुखिया को प्रस्तुत करते हैं. नौकरशाह से भी कई बार कमी रह जाती है और वे राज्य के मुखिया को भी वैसा ही प्रस्तुत कर देते हैं लेकिन जब राज्य के मुखिया अर्थात मुख्यमंत्री की नजर में आता है कि जनता के लिए बनायी गई कल्याणकारी योजनाओं में कोई कमी रह गई है अथवा इससे जनहित का नुकसान हो रहा है तो वह तत्काल ऐसी योजनाओं को वापस लेती है. हाल में ही लैंड पूलिंग और ओंकारेश्वर में ममलेश्वर लोक निर्माण के प्रस्ताव को डॉ. मोहन यादव सरकार ने वापस लिया है. डॉ. मोहन यादव सरकार के इस फैसले को इस तरह प्रचारित किया जा रहा है कि सरकार बैकफुट पर आ गई है. लैंड पूलिंग और ममलेश्वर के मसले को इसी नजर से देखा जाना चाहिए. किसी भी सरकार के समक्ष सबसे पहले होता है कि जनभावनाओं को और उनके हितों को ठेस ना पहुँचे. लैंड पूलिंग मामले में किसानों के हितों पर आँच आ रही थी तो एक्ट में संशोधन किया गया वहीं ममलेश्वर में जनभावनाओं को ध्यान में रखकर ममलेश्वर निर्माण की प्रस्तावित योजना को वापस लिया गया है.

लैंड पूलिंग का मामले को थोड़ा समझें तो मोहन सरकार ने किसानों के हक में फैसला लिया है. लैंड पूलिंग के मामले में भूमि अधिग्रहण कानून 2013 को लागू करने का फैसला किया है और इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है. लैंड पूलिंग में सरकार जमीन का अधिग्रहण करेगी और उस पर पक्का निर्माण करेगी लेकिन संशोधन के पहले हितग्राही को मुआवजा देने का प्रावधान नहीं था किन्तु संशोधन के उपरांत अब आधी जमीन वापसी के साथ मुआवजा के हकदार भी होंगे. यहाँ यह भी जान लेना उचित होगा कि लैड पुलिंग क्या है तो यह लैंड पूलिंग एक शहरी विकास प्रक्रिया है जिसमें निजी भूमि को एक साथ मिलाकर सडक़, पार्क और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ विकसित किया जाता है। इसके बाद, विकसित भूमि का एक हिस्सा मूल मालिकों को वापस दे दिया जाता है, जिसका मूल्य पहले से अधिक होता है। यह सरकार को सीधे भूमि खरीदने के बजाय शहरी विकास की अनुमति देता है। अब सिंहस्थ 2028 के लिए किसी भी किसान की जमीन अधिग्रहित नहीं की जाएगी। पूर्व की तरह तय अवधि के लिए जमीन ली जाएगी। बदले में मालिकों को रुपए दिए जाएंगे। सिंहस्थ के सफल आयोजन और किसानों के सम्मान में सरकार ने निर्णय लिया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पूरा विश्व सिंहस्थ का वैभव देखेगा।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच महत्वकांक्षी भूमि अधिग्रहण योजना को सरकार ने वापस ले लिया है। किसान लगातार लैंड पूलिंग एक्ट का विरोध कर रहे थे। इसके बाद सीएम ने किसानों के साथ मीटिंग कर यह फैसला लिया है। बीकेएस के वरिष्ठ नेता के. राघवेंद्र पटेल ने अखबारों से जैसा कहा और उनकी बात मानें तो दिल्ली से वापसी की मंजूरी मिलने के बाद ही मुख्यमंत्री ने उनसे मिलकर योजना की बारीकियों पर दो घंटे तक चर्चा की। विरोध की पहली चिंगारी फरवरी में ही भडक़ उठी थी, जब बीकेएस ने मालवा क्षेत्र में आंदोलन शुरू किया। इस क्षेत्र में बीकेएस के 8 लाख से ज्यादा सदस्य और 4,000 से ज्यादा ग्राम समितियां हैं। बीकेएस का कहना है कि मुख्यमंत्री को बार-बार भेजे गए पत्रों का जवाब न मिलने के बाद ही मामला गंभीर हुआ। नौकरशाहों की मानें तो सरकार के इस फैसले का कारण नीतिगत खामियों से ज्यादा पारदर्शिता की कमी थी। मसौदा अधिसूचना जारी करने के बाद, अधिकारियों ने भूमि मानचित्र और लाभ मॉडल का खुलासा नहीं किया, जिससे छिपे हुए इरादों पर संदेह पैदा हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लोग ब्लूप्रिंट मांगते रहे, यह जानना चाहते थे कि कौन सी जमीन ली जाएगी, मुआवजा कैसे मिलेगा, लेकिन हमने हफ्तों तक देरी की। उस देरी की कीमत हमें चुकानी पड़ी। हालांकि इसे बड़े केनवास पर देखें तो मामला सुलझ गया है.

ममलेश्वर लोक = जनभावना के साथ सरकार- उज्जैन सिंहस्थ- 2028 के तहत 4.6 हेक्टेयर में 120 करोड़ रुपए की लागत से ममलेश्वर लोक प्रस्तावित किया गया। इसके लिए 3 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन का अधिग्रहण होना था। इसकी डेडलाइन दिसंबर 2027 तक तय की गई। तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में प्रस्तावित 120 करोड़ रुपए का ममलेश्वर लोक प्रोजेक्ट आखिरकार निरस्त कर दिया गया है. प्रशासन ने कहा कि भविष्य में किसी 'लोक' निर्माण पर स्थानीय सहमति को प्राथमिकता दी जाएगी. विधायक नारायण पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और दिल्ली में मौजूद कलेक्टर ऋषभ गुप्ता से बात कर ओंकारेश्वर की गंभीर स्थिति से अवगत करवाया। इसके बाद डिप्टी कलेक्टर ने लिखित में आदेश जारी किया कि ममलेश्वर लोक ब्रह्मपुरी क्षेत्र में नहीं बनेगा। इसे अन्यत्र स्थान पर बनाया जाएगा और निर्माण से पहले स्थानीय संत समाज व जनता की सहमति ली जाएगी। सरकार के प्रतिनिधि के रूप में मांधाता विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक नारायण पटेल की विवाद के हल में अहम भूमिका रही। उन्होंने बीच का रास्ता निकाला और मुख्यमंत्री से चर्चा कर समस्या का समाधान निकाल लिया। पटेल ने कहा कि मैं विनाश पर विकास नहीं होने दूंगा, मैं हमेशा सनातनी हूं, संतों के चरणों में पहुंचा हूं। किसी भी संत की बद्दुआ से कैसे राजनीति कर सकता हूं। प्रस्तावित ममलेश्वर लोक का मामला भी मोहन यादव सरकार ने वापस लेकर जनभावना का आदर किया है. इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार की महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट ममलेश्वर लोक का विरोध भाजपा के विधायक नारायण पटेल ने किया और मुख्यमंत्री से चर्चा के उपरांत इसे वापस लिए जाने का फैसला हुआ. सबसे दुर्भाग्य की बात तो यह है कि जो अधिकारी जीवनभर सरकार की तरफदारी करते रहे, रिटायरमेंट के बाद वे लगातार सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं. लैंड पूलिंग के मामले में वे लेग पुलिंग जैसी भाषा का उपयोग करने से परहेज नहीं कर रहे हैं. सच्चाई तो यह है कि यह लोग यह जानते हैं कि स्थिति और परिस्थितियों के मुताबिक फैसले लिए जाते हैं, उनमें संशोधन होता है और कई बार प्रस्तावित योजना पूरी तरह निरस्त कर दिया जाता है. जिम्मेदार लोगों का जनभावना को कई बार उद्धेलित करता है तो कई बार उनका मन बदल देता है. शांति के टापू मध्यप्रदेश में सरकार और शासन किसी का भी रहा हो, जनभावनाओं को हमेशा ऊपर रखा गया. लैड पूलिंग और ममलेश्वर लोक के संबंध में निर्णय वापस लेने का यह पहला और इकलौता फैसला नहीं है. इसके पहले के सरकारों ने भी जनहित में अनेक फैसलों को बदला है, संशोधित किया और कई बार पूर्ण रूप से रद्द भी किया है.

कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई मेडिकल कॉलेज के स्वशासी प्रबंधकारिणी समिति की बैठक

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाने करें पहल : कमिश्नर डोमन

जगदलपुर। कमिश्नर एवं पदेन अध्यक्ष स्वशासी समिति स्वर्गीय बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय डिमरापाल डोमन सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को मेडिकल कॉलेज के सभाकक्ष में स्वशासी प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न एजेंडा पर चर्चा किया गया, साथ ही गत स्वशासी समिति की बैठक में हुई निर्णयों के क्रियान्वयन पर भी चर्चा किया गया और किलकारी योजनांतर्गत मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में अतिशीघ्र झूला घर प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए गए। मेडिकल कॉलेज में केन्द्रीय योजनांतर्गत शुरू किए गए प्रोजेक्ट नेशनल इमरजेंसी लाईव स्पोर्ट के तहत बस्तर अंचल के सभी चिकित्सालयों के डॉक्टरों एवं अन्य स्टॉफ को प्राइमरी लाईव सपोर्ट की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे आपदा प्रबंधन के दौरान लाईव सपोर्ट देने में मदद मिलेगी। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में वरिष्ठ नागरिकों की त्वरित मदद हेतु आयुष्मान वय वंदन योजनांतर्गत 70 वर्ष एवं अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 24 घण्टे के भीतर आयुष्मान वय वंदन कार्ड प्रदाय किया जा रहा है। बैठक के दौरान कमिश्नर ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने पर बल देते हुए कहा कि बस्तर अंचल के जनता की चिकित्सा जरूरतों को ध्यान रखकर उन्हें संवेदनशीलता के साथ उपचार सुविधाएं प्रदान करें। उन्होंने वर्तमान में मोतियाबिंद पीड़ितों के ऑपरेशन के लिए उपयुक्त समय को मद्देनजर रखते हुए सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर एवं कोंडागांव जिले के चिन्हित मरीजों का ऑपरेशन करने पर बल दिया और सर्वप्रथम दो आंखों में मोतियाबिंद पीड़ितों को प्राथमिकता देने कहा। कमिश्नर ने बायोमेडिकल वेस्ट को छोड़कर अन्य ठोस अपशिष्ट के निपटान हेतु नगर पालिक निगम के सहयोग से आवश्यक पहल किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर हरिस एस ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में संस्थागत प्रसव सुविधा से लाभान्वित शिशुओं का सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वहीं फिजियोथेरेपी कॉलेज के लिए उपलब्ध करवाए गए वैकल्पिक भवन का आवश्यक मरम्मत छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन के माध्यम से करवाने कहा। साथ ही मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए निर्धारित रोस्टर के अनुरूप पीड़ितों को लाभान्वित किए जाने पर बल दिया। बैठक में नई ट्रांजिट हॉस्टल में शीघ्र बिजली की व्यवस्था करने, कॉलेज कांफ्रेंस हॉल एवं सेमिनार हॉल का नवीनीकरण, तोकापाल एवं मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थित छात्रावास भवनों का आवश्यक मरम्मत करने, ई-ऑफिस के संचालन हेतु हाई स्पीड लीज लाईन कनेक्शन लेने, जेम पोर्टल से डायलिसिस मशीन एवं प्रोब क्रय करने सहित मेडिकल कॉलेज परिसर के गेस्ट हाउस में कैंटीन संचालन के लिए टेंडर जारी करने का अनुमोदन किया गया। बैठक में आयुक्त नगर पालिक निगम प्रवीण वर्मा, अधिष्ठाता मेडिकल कॉलेज एवं सदस्य सचिव डॉ. प्रदीप बेक सहित स्वशासी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सहकारी समिति कर्मचारियों ने चार सूत्रीय मांगों पर चल रहा आंदोलन स्थगित किया, धान उपार्जन कार्य सुचारू रूप से होगा जारी

बीजापुर। प्रदेश स्तरीय चार सूत्रीय मांगों को लेकर सहकारी समिति कर्मचारियों का आंदोलन जिला इकाई बीजापुर सहित पूरे प्रदेश में जारी था। किंतु किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कर्मचारियों ने धान उपार्जन कार्य को प्रभावित न होने देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आज जिला सहकारी समिति की बैठक में सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि धान उपार्जन की प्रक्रिया निर्विघ्न और सुचारू रूप से संचालित हो, इसके लिए कर्मचारियों का आंदोलन तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाता है। समिति ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे छत्तीसगढ़ शासन की धान उपार्जन नीति के अनुरूप पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे।जिला इकाई के अध्यक्ष आलम खान एवं समिति सदस्यों ने हड़ताल समाप्त करते हुए पुनः कार्यभार संभालने की जानकारी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी कर्मचारी नियमित रूप से उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने देंगे।आंदोलन स्थगन का औपचारिक आवेदन अपर कलेक्टर भूपेंद्र अग्रवाल को सौंपा गया। समिति ने प्रशासन को विश्वास दिलाया है कि धान उपार्जन कार्य पूर्णतः सुचारू रहेगा तथा किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

देवभोग पुलिस की बड़ी कार्यवाही : तीन पिकअप वाहनों में भरा लगभग 150 कट्टा धान एवं डम्प कर रखे 40 कट्टा धान कुल 190 कट्टा धान जप्त

देवभोग। नया सवेरा अभियान के तहत गरियाबंद जिले में अधिकारियों द्वारा अवैध परिवहन, अवैध भंडारण, अवैध खरीद-फरोख्त सहित अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु समस्त थाना प्रभारियों को विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए थे छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केवल पंजीकृत किसानों से, निर्धारित खरीदी केंद्रों में एवं वैध दस्तावेजों के आधार पर किए जाने का प्रावधान है खरीदी केंद्रों के बाहर धान का अवैध परिवहन, भंडारण एवं खरीदी-विक्रय नियमों के विरुद्ध है और दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है इसी नीति के अंतर्गत पुलिस एवं प्रशासन द्वारा ऐसी अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों के निर्देशों के अनुपालन में थाना देवभोग पुलिस द्वारा अपने क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखते हुए लगातार गश्त एवं सघन पेट्रोलिंग की जा रही है इसी क्रम में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि देवभोग क्षेत्र के उड़ीसा बॉर्डर क्षेत्र के ग्राम पंचायत मगररोड़ा के रास्ते से कुछ संदिग्ध लोग तीन पिकअप वाहनों में जिसका गाड़ी नंबर सीजी 04 जेबी 2505, सीजी 07 एवी 4930, ओडी 21 पी 6055 में अवैध रूप से धान का परिवहन कर रहे हैं तथा एक अन्य स्थान पर डम्प कर लगभग 40 कट्टा धान अवैध रूप से रखा गया है, की सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना देवभोग पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुँची मौके पर तीन पिकअप वाहनों को घेराबंदी कर रोकने पर उनमें कुल लगभग 150 कट्टा धान भरा हुआ पाया गया इसके अतिरिक्त, आसपास की तलाशी में डम्प कर रखे 40 कट्टा धान भी बरामद किए गए वाहन चालकों एवं संबंधित व्यक्तियों से धान परिवहन एवं भंडारण के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु कहा गया, परंतु कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया प्रथम दृष्ट्या यह अवैध धान परिवहन एवं भंडारण का मामला पाए जाने पर थाना देवभोग द्वारा धान एवं वाहनों को जप्त कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

बांसला में 1.81 लाख रुपए का 'हैंडपंप घोटाला: बिना काम के राशि आहरित, जांच अधिकारी पर भी लीपापोती का आरोप

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसला में विकास कार्यों के नाम पर बड़े पैमाने पर सरकारी राशि के गबन का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधियों पर हैंडपंप मरम्मत/स्थापना के नाम पर बिना कोई कार्य किए लगभग 1.81 लाख रुपए की राशि आहरित करने का गंभीर आरोप लगाया है और इसकी लिखित शिकायत जिला कलेक्टर, जिला सीईओ और एसडीएम से की है। ग्रामीणों के शिकायत के अनुसार, सरपंच और सचिव ने कथित तौर पर 6 अलग-अलग बिलों के माध्यम से 1.81 रुपए लाख की राशि हैंडपंप की मरम्मत और स्थापना के नाम पर निकाली है। ग्रामीणों का सीधा दावा है कि गांव में किसी भी हैंडपंप की न तो मरम्मत हुई है और न ही कोई नया मोटर पंप स्थापित किया गया है। जिन हैंडपंपों में कार्य दिखाया गया है और 20,500 रुपए की राशि निकाली गई है, उनमें से एक पर क्रेडा विभाग ने कुछ दिन पहले सोलर पैनल लगाकर मोटर पंप स्थापित किया था। दूसरे हैंडपंप में शिवप्रसाद चक्रधारी ग्रामीण ने स्वयं के खर्च से मोटर पंप लगाया है और उसका निजी उपयोग कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इसी हैंडपंप की तस्वीरें दिखाकर तीन बिलों के माध्यम से लगभग 90,000 की राशि आहरित कर ली गई है। इसी तरह 6 अलग अलग बिलो के माध्यम से 1.81 लाख रुपये राशि आहरण किया गया है। ग्रामीणों ने इस कृत्य को सरकारी राशि का सीधा-सीधा गबन बताया है।

जाँच अधिकारी पर लीपापोती का गंभीर आरोप - मामले की शिकायत के बाद जनपद के करारोपण अधिकारी राम प्रसाद नादेश्वर ग्राम पंचायत बांसला पहुंचे, लेकिन उनकी कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जाँच अधिकारी नादेश्वर ग्राम पंचायत भवन में ही नाश्ता-पानी कर बैठ गए और उन्होंने वास्तविक मौके पर जाकर यह जाँच नहीं की कि मोटर पंप लगा है या नहीं। जांच अधिकारी ने केवल पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा बताए गए बातों के आधार पर पंचायत भवन में बैठकर ही पंचनामा तैयार किया और वापस लौट आए। जब जाँच अधिकारी नांदेश्वर से इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने गोलमाल जवाब दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जाँच अधिकारी सरपंच और सचिव को बचाने में लगे हुए हैं और जाँच को प्रभावित कर रहे हैं। यह मामला सरकारी राशि के दुरुपयोग और स्थानीय प्रशासन में व्याप्त अनियमितताओं पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या सख्त कार्रवाई करता है।

निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीण शिवप्रसाद कोरेटी, परमेश्वर नरेटी, राजेन्द्र कोरेटी, जगनाथ कोरेटी, सहदेव कोरेटी, रामरतन कोमरा, महेश टांडिया और अन्य ने जिला प्रशासन से निष्पक्ष जाँच की मांग की है। दोषियों के खिलाफ तत्काल आपराधिक कार्रवाई की जाए और गबन की गई राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए। यह मामला सरकारी राशि के दुरुपयोग और स्थानीय प्रशासन में व्याप्त अनियमितताओं पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या सख्त कार्रवाई करता है। ग्रामीणों ने यह भी कहा है कि यदि वर्तमान जाँच अधिकारी द्वारा सही तरीके से जाँच नहीं की जाती है, तो जाँच अधिकारी की भी शिकायत की जाएगी।

लोकपाल में शिकायत करने की तैयारी

सरकारी राशि के दुरुपयोग और स्थानीय प्रशासन की अनियमितताओं पर प्रश्नचिह्न लगाता यह मामला अब लोकपाल तक भी पहुँचने वाला है। ग्रामीणों ने वकील के माध्यम से लोकपाल में शिकायत दर्ज कराने के लिए दस्तावेज़ तैयार करना शुरू कर दिया है। यह मामला दिखाता है कि स्थानीय प्रशासन में किस हद तक अनियमितताएँ व्याप्त हैं। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर 'हैंडपंप घोटाले' और जाँच अधिकारी पर लगे लीपापोती के आरोपों पर क्या सख्त और निर्णायक कार्रवाई करता है।

कलेक्टर का सख्त निर्देश 15 दिसंबर तक कार्मिक संपदा में डेटा अपडेट नहीं करने पर रूक सकता है दिसंबर का वेतन

जगदलपुर। जिले में कार्यरत समस्त शासकीय सेवकों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटि रहित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर हरिस एस. ने सख्त निर्देश दिए हैं। संचालनालय कोष एवं लेखा, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों और आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि यदि 15 दिसंबर 2025 तक कार्मिक संपदा मॉड्यूल में कर्मचारियों का डेटा और ई-केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण नहीं किया गया, तो संबंधित कर्मचारियों के दिसंबर माह के वेतन भुगतान में गंभीर बाधा उत्पन्न हो सकती है। कलेक्टर हरिस एस. ने बताया कि राज्य शासन द्वारा वेतन व्यवस्था में एकरूपता लाने के लिए एक निर्णायक बदलाव किया गया है। दरअसल अभी तक विभागों द्वारा ई-पेरोल और कार्मिक संपदा में दर्ज जानकारियों में भिन्नता देखी जा रही थी, क्योंकि कार्मिक संपदा की प्रविष्टियों का सीधा उपयोग वेतन देयक बनाने में नहीं हो रहा था। इस विसंगति को दूर करने के लिए अब यह तय किया गया है कि दिसंबर 2025 का वेतन देयक अनिवार्य रूप से कार्मिक संपदा में अद्यतन की गई प्रविष्टियों के आधार पर ही तैयार होगा। इस नई व्यवस्था के तहत कर्मचारी का नाम, पदनाम, मूल वेतन और श्रेणी जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां ई-पेरोल सीधे कार्मिक संपदा मॉड्यूल से ही लेगा। जिले के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कई विभागों में अभी भी ई-केवाईसी और डेटा अपडेशन का कार्य लंबित है, जिसे मिशन मोड में पूरा करना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यालय प्रमुखों को 15 दिसंबर की समय-सीमा में उक्त कार्यवाही अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। यदि निर्धारित तिथि तक यह कार्य पूर्ण नहीं होता है और डेटा के अभाव में किसी कर्मचारी का वेतन रुकता है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय प्रमुख की होगी। साथ ही कोषालय अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से संपर्क कर इस कार्य की महत्ता से अवगत कराएं और समय सीमा के भीतर डेटा प्रविष्टि सुनिश्चित करवाएं, ताकि शासकीय सेवकों को आगामी माह में वेतन संबंधी किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए किरन्दुल में लगाया गया शिविर

किरंदुल। किरन्दुल में एसआईआर फॉर्म भरने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नागरिकों को 4 दिसंबर से पहले फॉर्म जमा करना होगा साथ ही ऑनलाइन माध्यम से एसआईआर फॉर्म भरने की आवश्यक जानकारी दी गई। एसआईआर फॉर्म क्यों जरूरी है। मतदाता सूची में नाम जोड़ना,पुरानी जानकारी में सुधार/परिवर्तन,पते में बदलाव, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं।इससे मतदाता सूची अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनती है, जिससे चुनाव प्रक्रिया और भी पारदर्शी होती है।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर प्रक्रिया देशभर के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही है। प्रत्येक जिले और ब्लॉक स्तर पर बीएलओ और संबंधित अधिकारी मतदाताओं को शिविरों एवं घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से फॉर्म भरने में सहायता कर रहे हैं। शिविर के दौरान बीएलओ गौरीशंकर तिवारी ने स्थानीय नागरिकों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन स्ट्रक्र फॉर्म भरने की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि अंतिम तिथि से पहले आवेदन करना आवश्यक है, ताकि किसी भी नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट ना जाए। यह शिविर क्षेत्र में मतदाता जागरूकता बढ़ाने और शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रहा है।इस कार्यक्रम में कृतिका देवांगन, सरोज, वेदप्रकाश और दीपू पाल उपस्थित रहे।

निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं के लिए जारी की महत्वपूर्ण सूचना, कहा- ओटीपी साझा न करें

कांकेर। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ ने सभी मतदाताओं को सतर्क करते हुए स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर से संबंधित किसी भी कार्य के लिए आयोग या उसका कोई भी कार्यालय मोबाइल फोन पर ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) नहीं मांगता। जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि हाल ही में कुछ मामलों में अनजान व्यक्तियों द्वारा मतदाताओं से ओटीपी और निजी जानकारी मांगने की शिकायतें मिली हैं। आयोग ने इसे गंभीरता से लेते हुए मतदाताओं से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में ओटीपीए व्यक्तिगत जानकारी या दस्तावेज किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि एसआईआर से संबंधित सभी सेवाएं केवल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के अधिकृत व आधिकारिक माध्यमों जैसे वेबसाइट, मोबाइल एप या निर्धारित कार्यालयों के माध्यम से ही उपलब्ध हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ ने कहा कि मतदाता सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या लिंक पर विश्वास न करें। साथ ही किसी प्रकार की शंका होने पर तुरंत संबंधित कार्यालय से संपर्क करें।

राजा सोना चांदी ज्वेलर्स में चोरी करने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार

बलौदाबाजार। प्रार्थी रजनीश केसरवानी निवासी बलौदाबाजार द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह राजा सोना चांदी ज्वेलर्स दुकान का संचालक है। कि घटना 16 नवंबर की दरम्यानी रात को अज्ञात आरोपी द्वारा उसकी दुकान के चैनल गेट में लगे ताला को तोड़कर, शटर उठाकर दुकान में रखे सोने चांदी के जेवर एवं नगदी रकम 10,000 रुपए कुल कीमती 3,50,000 रुपए को चोरी कर लिया गया है। कि रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध 1133/2025 धारा 351(4),305 बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही प्रारंभ किया गया। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का भी गहन अवलोकन किया गया, जिसमें एक व्यक्ति दुकान के आसपास रात के समय संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए पाया गया। इस आधार पर पहचान कार्यवाही करते हुए आरोपी धनेश निषाद को हिरासत में लिया गया, जिससे पूछताछ करने पर उसके द्वारा राजा ज्वेलर्स की दुकान का ताला तोड़कर उसमें चोरी करना स्वीकार किया गया। प्रकरण में पुलिस द्वारा आरोपी से ?1,00,000 कीमत मूल्य का सोने चांदी का जेवर बरामद किया गया तथा प्रकरण में आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण विवेचना में है। आरोपी- धनेश निषाद उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम खपरी थाना गिधपुरी, क्षेत्र स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगता का आयोजन-शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय द्वारा क्षेत्र स्तरीय बैडमिंटन (म.झ पु.) प्रतियोगिता का आयोजन 19-11-25 व 20-11-25 को इंडोर स्टेडियम कलेक्टर परिसर बलौदाबाजार में किया गया 7 प्रतियोगिता का शुभारम्भ डॉ. कल्पना उपाध्यय द्वारा दीप प्रजवल्लित कर किया गया 7 तत्प्रश्चत् प्राचार्य का स्वागत कु. रिया नेताम पर्यवेक्षक डॉ. प्रिय कन्नौजे का खुसबू साहू एवं हमारे दोनों निर्णायक सागर सक्सेना का भाटापारा कप्तान एवं बलराम साहू का महासमुंद कप्तान द्वारा दिया गया 7 सर्व प्रथम प्राचार्य मैडम अपने सम्बोधन में खिलाड़ियो को बधाई देते हुए कहा की आपलोग अपने अच्छे खेल का प्रदर्शन कर अपने महाविद्यालय , राज्य एवं देश का गौरव बढ़ाये 7 इसके साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों को तीन बातो पर अमल करने कहा - आत्ममूल्यांकन , संघर्ष करने की क्षमता एवं सीखने की क्षमता।

जनजातीय गौरव दिवस पर विशेष समारोह का आयोजित

बलौदाबाजार। मिनीमाता कन्या महाविद्यालय, बलोदाबाजार में जनजातीय दिवस के अवसर पर एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में मोरध्वज पैकरा सभापति जनपद पंचायत कसडोल ने जनजातीय समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उनकी सामाजिक, ऐतिहासिक एवं आर्थिक व्यवस्था पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने छात्राओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनने के लिए क्या करना चाहिए उसकी जानकारी विस्तार से प्रदान की। समारोह की शुरुआत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कल्पना उपाध्याय ने जनजातीय समुदाय के योगदान को याद करते हुए विभिन्न जन नायको तथा जनजाति विद्रोह के बारे में जानकारी प्रदान किया जो आज के समय में भी प्रेरणादायक है। मुख्य अतिथि डॉ जे एन केसरवानी ने अपने संबोधन में कहा, जनजातीय समुदाय की ऐतिहासिक विरासत न केवल उनकी सांस्कृतिक गौरव को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि कैसे उन्होंने प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर अपनी आर्थिक व्यवस्था को बनाए रखा।

उनकी पारंपरिक कृषि पद्धतियाँ और वन संसाधनों का संरक्षण आज भी अनुकरणीय है। समारोह में जनजातीय नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर छात्रों ने जनजातीय समुदाय की कला और संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह के अंत में, महाविद्यालय के प्राचार्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया और जनजातीय दिवस की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालनकार्यक्रम संयोजक सुसुषमा दीवान और सहसंयोजक चंद्रिका टेकाम के द्वारा किया गया। समारोह का आयोजन मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और शिक्षक उपस्थित रहे।

एरंडवाल और बुरुंगपाल ने आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 2 दिसंबर तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना तोकापाल के अंतर्गत ग्राम पंचायत एरंडवाल और ग्राम पंचायत बुरुंगपाल के कोटेनपारा में आंगनवाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस भर्ती अभियान के तहत स्थानीय ग्राम पंचायतों में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी, जिसके लिए पात्र आवेदिकाओं से आगामी 2 दिसंबर 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस चयन प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि आवेदिका को उसी ग्राम का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है, जिस गाँव में आंगनबाड़ी केंद्र स्थित है। इसके प्रमाण के लिए मतदाता सूची में नाम या सरपंच-सचिव अथवा पटवारी द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र मान्य होगा। शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा के मानकों पर गौर करें तो आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए आवेदिका का 8वीं बोर्ड पास होना आवश्यक है।

हालांकि, यदि निर्धारित योग्यता वाली उम्मीदवार नहीं मिलती हैं, तो कम योग्यता वाली आवेदिकाओं पर भी विचार करने का प्रावधान रखा गया है। आवेदिका की आयु 18 वर्ष से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए, जिसमें अनुभवी कार्यकर्ताओं को अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। इस भर्ती प्रक्रिया में अनुसूचित जाति-जनजाति, गरीबी रेखा (सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना 2011) सूची में शामिल परिवार, विधवा, परित्यक्ता या तलाकशुदा महिलाओं को चयन में अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। साथ ही, जिन सहायिकाओं के पास कार्य करने का पुराना अनुभव है, उन्हें भी इस चयन में वरीयता मिलेगी। इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन सभी आवश्यक दस्तावेजों जैसे अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और अनुभव प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन पत्र सीधे परियोजना कार्यालय में या पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं। आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना, कार्यालयीन समय में अपना आवेदन जमा कर पावती अवश्य प्राप्त कर लेवें।

संक्षिप्त समाचार

जीपीएम जिले में अब तक हुई 26784 क्विंटल धान की खरीदी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान जीपीएम जिले में पिछले पांच दिनों में 26784 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में प्रदेश में 15 नवम्बर से धान खरीदी का कार्य चल रहा है। अब तक जिले में 17 धान खरीदी केंद्रों में कुल 26784 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक धान खरीदी केंद्र धनौली में 3564.40 क्विंटल, मेढ़ुका में 3399.60 क्विंटल, लरकेनी में 2212 क्विंटल, भर्रीडांड़ में 2106 क्विंटल, खोडरी में 1921.60 क्विंटल, निमधा में 1744.80 क्विंटल, पेण्ड्रा में 1583.20 क्विंटल, गौरेला में 1422.40 क्विंटल, सिवनी में 2439.20 क्विंटल, मरवाही में 1352.40 क्विंटल, तेंदुमुड़ा में 1003.60 क्विंटल, नवागांव पेण्ड्रा में 866.40 क्विंटल, परासी में 842.40 क्विंटल, लालपुर में 738.40 क्विंटल, बंशीताल में 598.40 क्विंटल, देवरीकला में 533.20 क्विंटल और धान खरीदी केंद्र तरईगांव में 456 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया।

रकबा के आधार पर मिलेगा टोकन 02 एकड़ तक 1 टोकन व 2 से 10 एकड़ तक 02 टोकन 10 एकड़ से उपर 03 टोकन की होगी पात्रता

बलरामपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी निर्धारित की गई है। जिसमें धान खरीदी व्यवस्था को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने किसानों के लिए ऑफ्लाईन एवं ऑनलाईन दोनों माध्यम से टोकन जारी कर धान खरीदी किया जा रहा है। तुंहर मोबाईल एप के माध्यम से भी ऑनलाईन टोकन जारी की जा रही है। जिसमें किसान स्वयं एप के माध्यम से टोकन काट सकते हैं। राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार 02 एकड़ तक के सीमा वाले किसान को अधिकतम 01 टोकन, 02 से 10 एकड़ तक के लिए अधिकतम 02 टोकन, 10 एकड़ से उपर वाले किसानों के लिए अधिकतम 03 टोकन की प्रात्रता होगी।

बहतराई स्टेडियम में सीपत महा के छात्रों ने खेल स्पर्धा में लहराया परचम 7 मेडल जीते

बिलासपुर। बहतराई स्टेडियम में 18-19 नवंबर को आयोजित सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स पुरुष/महिला प्रतियोगिता में शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीपत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैदान में अपना दमखम दिखाया और कुल 7 मेडल जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। पुरुष वर्ग में सीपत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जिसमें नितेश भाला फेंक प्रथम स्थान, कमल किशोर 200 मीटर दौड़ द्वितीय स्थान, कमल किशोर 400 मीटर दौड़ तृतीय स्थान रहा।तो वंही महिला वर्ग में बेटियों का दमदार जलवा रहा। जिसमें बिंदाश्याम गोला फेंक प्रथम स्थान, बिंदाश्याम 100 मीटर दौड़ द्वितीय स्थान, बिंदाश्याम 200 मीटर दौड़ तृतीय स्थान, हेमलता 400 मीटर दौड़ तृतीय स्थान हासिल की। इन शानदार उपलब्धियों के साथ खिलाड़ियों ने महाविद्यालय के लिए कुल 7 मेडल हासिल किए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एस. खेर ने सभी विजेता छात्रों को हृदय से बधाई देते हुए कहा कि सेक्टर स्तर पर ऐसा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यार्थियों ने न केवल महाविद्यालय बल्कि अपने माता-पिता का मान भी बढ़ाया है। भविष्य में भी ऐसे ही निरंतर प्रगति करें। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ डॉ. राम प्रसाद चंद्रा खेल प्रभारी तथा कमलेश सिंह उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को लगातार प्रोत्साहित करते रहे।

सुरेश सिंह बैस राष्ट्रीय साहित्य क्रांति प्रोत्साहन परिषद के उपाध्यक्ष नियुक्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश की न्यायधानी के वरिष्ठ साहित्यकार कवि लेखक एवं पत्रकार सुरेश सिंह बैस को साहित्य क्रांति प्रोत्साहन परिषद का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त गया है। तत्संबंधित नियुक्ति पत्र प्रेषित करते हुए, राष्ट्रीय विचारक्रांति साहित्य संस्थान सिंगरौली, मध्यप्रदेश के संस्थापक डॉ राजकुमार जायसवाल ने कहां बैस को साहित्यिक गतिविधियों व समाज हित हेतु राष्ट्रीय विचारधारा के प्रचार प्रसार के लिए विचार क्रांति साहित्य प्रोत्साहन परिषद का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति पत्र में उन्होंने बैस को राष्ट्रीय विचार क्रांति प्रोत्साहन परिषद का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद नियुक्ति पश्चात शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सम्माननीय ङ्क सुरेश सिंह बैस शाश्वत जी बिलासपुर, छत्तीसगढ़ आपको भारत सरकार द्वारा पंजीकृत विचारक्रांति प्रोत्साहन परिषद् में अवैतनिक रूप से समाजहित में कार्य कर रहे व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने व परिषद् के कार्यों में तेजी से वृद्धि लाने के लिए राष्ट्रीय उपाध्यक्षके पद पर नियुक्त किया जाता है।

डीजीएमएस के तत्वावधान में एसईसीएल में इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल उपकरणों एवं एचईएमएम के रखरखाव पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय, बिलासपुर में दिनांक 20 नवंबर 2025 को खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तत्वावधान में इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल उपकरणों तथा HEMM के सेफ इंस्टालेशन एवं रख-रखाव विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सीएमडी एसईसीएल श्री हरीश दुहन एवं विशिष्ट अतिथिगण निदेशक (तकनीकी) संचालन श्री एन. फ्रैंक्लिन जयकुमार, निदेशक (तकनीकी) परियोजना एवं योजना श्री रमेश चंद्र महापात्र, खान सुरक्षा महानिदेशालय, पश्चिम क्षेत्र, नागपुर से डीएमएस(इलेक्ट्रिकल) श्री टी. श्रीनिवास, डीएमएस(मैकेनिकल) श्री पीके जैन, डीडीएमएस (इलेक्ट्रिकल) श्री गौरव लाढा, तथा सेफ्टी कमेटी के सम्मानित सदस्य — श्री बी. धर्माराव (AITUC), श्री आई.डी. चौहान (CITU) एवं श्री जी.एस. प्रसाद द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का औपचारिक शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि श्री हरीश दुहन, सीएमडी एसईसीएल ने कहा कि कंपनी तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सुरक्षा और दक्षता दोनों को निरंतर सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने बताया कि एसईसीएल का प्रयास है कि जहां संभव हो, मैनुअल प्रक्रियाओं को मैकेनाइज्ड सिस्टम से प्रतिस्थापित किया जाए। उन्होंने उपकरणों को अप-टू-डेट रखने, आवश्यकतानुसार रिप्लेसमेंट करने और नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि कार्यस्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च स्तर पर सुनिश्चित हो सके। निदेशक (तकनीकी) संचालन श्री एन. फ्रैंक्लिन जयकुमार ने कार्यशाला के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसी पहलें खदानों और वर्कशॉप्स में सुरक्षा स्तर को व्यावहारिक रूप से मजबूत बनाती हैं। अपने संबोधन में निदेशक (तकनीकी) परियोजना एवं योजना श्री रमेश चंद्र

महापात्र ने कहा कि एसईसीएल का लक्ष्य ज़ीरो हार्म (शून्य क्षति) है और सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक कार्यस्थल, प्रत्येक उपकरण और प्रत्येक कामगार सुरक्षित रहे। उन्होंने 'टेक-5 नियम' को सुरक्षा का मूल आधार बताते हुए इसके पालन पर बल दिया। लगभग 300 प्रतिभागियों— एसईसीएल मुख्यालय एवं संचालन क्षेत्रों के विद्युत एवं यान्त्रिकी तथा उत्खनन विभाग के स्टाफ अधिकारियों, इंजीनियर, सुपरवाइजर्स, फोरमैन, कामगार निरीक्षक एवं तकनीकी कर्मचारियों—ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला में DGMS अधिकारियों द्वारा तीन तकनीकी सत्र आयोजित हुए। श्री टी. श्रीनिवास (DMS-Elec.) ने फॉल्ट करेंट, अर्थिंग सिस्टम और ग्रेडिंग कोऑर्डिनेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इसके बाद श्री गौरव लाढा (DDMS-Elec.) ने करंट ग्रेड सिस्टम, करंट ट्रांसफॉर्मर एवं संबंधित तकनीकी शब्दावली पर जानकारी साझा की। अंत में श्री पी.के. जैन (DMS-Mech.) ने इंजीनियरों व कॉम्पिटेंट पर्सन की जिम्मेदारियों, लॉगबुक व सांविधिक अभिलेखों के रख-रखाव, SOP/SMP/JSA के अनुपालन और दुर्घटनाओं की रोकथाम से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत उद्बोधन महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) श्री प्रकाश राय ने दिया, जिसमें उन्होंने एसईसीएल की सुरक्षा प्रतिबद्धता एवं सभी प्रतिभागियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दौरान के महाप्रबंधक (उत्खनन) श्री दीपक कुमार ने एचईएमएम से संबंधित परिचालन एवं सुरक्षा बिंदुओं पर प्रस्तुति दी। इसके अलावा ओईएम कंपनियों एल एंड टी तथा कोमात्सू ने अपनी मशीनों में उपलब्ध आधुनिक सुरक्षा फीचर्स की जानकारी साझा की।

ग्रीष्मकालीन धान के बदले अन्य फसलों के लिए किसानों को जागरूक कर किया जा रहा है बीज वितरण

गौरेला पेंड्रा मरवाही। रबी मौसम में धान के फसल में कमी लाने और किसानों को कम लागत, कम मेहनत में उपज का अच्छा दाम दिलाने के लिए किसानों की बैठक लेकर उन्हें जागरूक किया जा रहा है तथा उनकी सहमति पर आवश्यकतानुसार बीज भी वितरित किया जा रहा है। उप संचालक कृषि श्री सत्यजीत कंवर ने बताया कि ग्रीष्मकालीन धान की फसल के लिए अधिक पानी की जरूरत होती है। कृषि विभाग द्वारा भू जल स्तर को गिरने से बचाने तथा गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या का समाधान हो सके, इसे ध्यान में रखते हुए किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के बदले अन्य फसल जैसे गेहूं, चना, उड़द और मक्का बोने जागरूकता अभियान चलाकर बीज वितरण किया जा रहा है। उन्होंने

बताया कि गुरूवार को ग्राम बारीउमराव, टंगियामार, कुदरी, कड़कई, गांजन आदि गांव में किसानों के साथ बैठक लेकर इन ग्रामों में 116 हैक्टेयर रकबा में ग्रीष्मकालीन धान के बदले अन्य फसल बोने के लिए सहमति प्राप्त किया गया है। जागरूकता अभियान के तहत ग्राम अमरपुर, पतगंवा एवं लटकोनी में भी किसानों का चयन किया जा चुका है। यह अभियान जिले के सभी गांवों में चलाकर किसानों को जागरूक किया जाएगा और उनकी मांग अनुसार अनुदान पर बीज वितरण किया जाएगा।

आयुर्वेद औषधालय भवन निर्माण हेतु भूमि सीमांकन कराने जिला संयोजक ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

राजपुर। विकासखंड मुख्यालय राजपुर के वार्ड क्रमांक-05 स्थित शासकीय आयुर्वेद औषधालय जर्जर स्थिति में संचालित हो रहा है। चार कमरों के इस पुराने भवन में मरीजों के उपचार एवं भर्ती की समुचित सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण गंभीर मरीजों को समय पर उचित चिकित्सा नहीं मिल पाती। वर्तमान भवन अत्यंत पुराना होने के साथ-साथ मरम्मत योग्य भी नहीं रह गया है। वहीं क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं के विस्तार की अत्यंत आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसी संबंध में भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुनील गुप्ता द्वारा तहसील कार्यालय राजपुर में ज्ञापन सौंपकर नगर पंचायत राजपुर के वार्ड क्रमांक-06, डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड में उपलब्ध लगभग 01 एकड़ शासकीय भूमि का सीमांकन कर नवीन आयुर्वेद औषधालय भवन निर्माण हेतु शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग की गई है। यह भूमि शासकीय अभिलेख में दर्ज है तथा मुख्य मार्ग से सटी होने के कारण मरीजों के आवागमन की दृष्टि से भी उपयुक्त मानी जा रही है। प्रस्तावित नवीन

भवन निर्माण होने पर आम नागरिकों को औषधि वन वाटिका, औषधालय भवन, व्यायाम/योग चबूतरा तथा स्टाफ क्वार्टर जैसी सुविधाएँ प्राप्त हो सकेंगी। राजस्व विभाग की आना-कानी के कारण अटका प्रस्तावज्ञात हो कि जिला आयुर्वेद अधिकारी सरगुजा सहित स्थानीय आयुर्वेद अधिकारी राजस्व विभाग से लगातार पत्र व्यव्हार करते हुए भूमि आबंटन की मांग कर रहें हैं राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक सहयोग प्राप्त न होने के कारण यह मामला लंबे समय से लंबित चल रहा है।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं,पोषण,आजीविका एवं नवाचार पर दिया जोर

गौरेला पेंड्रा मरवाही। नीति आयोग द्वारा चयनित आकांक्षी ब्लॉक गौरेला में 40 संकेतकों पर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए नीति आयोग के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी शिवम मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे ने विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित बैठक में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण, आजीविका एवं नवाचार पर जोर दिया गया। नोडल अधिकारी ने एनक्यूएएस प्रमाणित स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने और एनक्यूएएस केंद्रों की संख्या बढ़ाने कहा। बैठक में कहा गया पोषण, आजीविका और नवाचार को बढ़ावा देने में ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले में शत प्रतिशत स्व-सहायता समूहों को जोड़ा जाए।

नोडल अधिकारी ने कहा कि स्वसहायता समूह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक मजबूत माध्यम हैं, जिनके जरिए सूक्ष्म उद्यम और सामूहिक व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा सकता है। बैठक में नीति आयोग की नवाचार आधारित परियोजनाओं पर भी जोर दिया गया। सभी विभागों से कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसी परियोजनाओं की पहचान करें, जिनमें तकनीकी हस्तक्षेप, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग और समुदाय की भागीदारी से विकास की गति बढ़ाई जा सके। जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को समयबद्ध और लक्ष्य-आधारित काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम केवल योजनाओं की प्रगति का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य आम जनता के जीवन स्तर में सुधार लाना है। इसके लिए योजनाओं को प्रभावी ढंग से ग्राम स्तर तक पहुंचाना और लोगों की भागीदारी बढ़ाना जरूरी है। बैठक में विभिन्न विभागों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट पेश की और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। आने वाले महीनों में स्वास्थ्य केंद्रों की गुणवत्ता, आंगनबाड़ी केंद्रों का विस्तार, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण, विशेष बच्चों की शिक्षा और नवाचार आधारित परियोजनाएं प्रशासन की मुख्य प्राथमिकताएं रहेंगी। बैठक में स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़ाने और गर्भवती महिलाओं, शिशुओं व गंभीर मरीजों के लिए बेहतर इलाज और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया ताकि बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए स्वच्छता और सुविधा सुनिश्चित हो सके।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक,श्री तरुण प्रकाश ने सम्मानित किया

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 21 नवम्बर ' 2025 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 03 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । इन रेल कर्मियों में रायपुर रेल मण्डल के पॉइंट्समैन- 'ए' / दुर्ग, कुमारी सीमा यादव ने दिनांक 29 अक्टूबर, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान एक मालगाड़ी को सिग्नल एक्सचेंज करने के दौरान कुछ असामान्य आवाज़ सुनकर तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत जाँच करने पर एक वैगन में हॉट एक्सल पाया गया । तत्पश्चयात, आगे की कार्यवाही कर ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार श्री सौरभ जावडे की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई ।संरक्षा कोटि के कर्मचारी को सम्मानित किए जाने के अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी भी उपस्थित थे । अपने ड्यूटी के दौरान गुजरती हुई ट्रेन को सिग्नल का आदान-प्रदान करते समय एक असामान्य ध्वनि सुनी जिसके उपरांत ट्रैक की जाँच करने पर किलोमीटर 935/19-21 पर वेल्ड-फ्रेक्युर का पता चला । तत्काल इसकी सूचना इन्होने सर्वसंबंधित को दिया । तत्पश्चयात, आगे की कार्यवाही कर सुरक्षित रेल यातायात हेतु ट्रैक को ठीक किया गया । इस प्रकार श्री हितेंद्र कठाने की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । नागपुर रेल मण्डल के सहायक लोको पायलट/डोंगरगढ़, श्री सौरभ जावडे ने दिनांक 01 अक्टूबर, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान अप लाइन मे आती हुई ट्रेन 12834 (हावड़ा- अहमदाबाद एक्सप्रेस) के इंजन से तीसरे - चौथे कोच के चक्के में हॉट एक्सल देख कर टॉर्च से लाल सिग्नल ट्रेन मैनेजर की ओर दिखाया तथा वॉकी-टॉकी पर भी बताया । तत्पश्चयात, आगे की कार्यवाही कर ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार श्री सौरभ जावडे की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई ।संरक्षा कोटि के कर्मचारी को सम्मानित किए जाने के अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी भी उपस्थित थे ।

हत्या के प्रयास के मामले मे शामिल 06 आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों द्वारा एक राय होकर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर डंडा एवं हाथ मुक्का से मारपीट करते हुए गंभीर चोट की गई थी कारित
- आरोपियों के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त डंडा किया गया जप्त

अंबिकापुर/मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी लोखन राम साकिन गोरता थाना लखनपुर द्वारा दिनांक 06/09/25 को थाना लखनपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 06/09/25 को प्रार्थी रात्रि करीबन 8:30 बजे अपने भाई मुकेश्वर को गोरता झवरपारा गणेश पंडाल के पास से लेकर वापस घर आ रहा था तभी पंडाल से थोड़ा आगे झवरपारा के मुकेश दास, शिवलाल, उमेश कुमार, एतवार साय एवं अन्य आरोपियों द्वारा मिलकर गाली गलौज करते हुए गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का एवं डंडे से मारपीट करने लगे, एवं मुकेश्वर बीच बचाव करने लगा लड़ाई झगड़ा को देखकर प्रार्थी के बड़े पिताजी मोहित राम राजवाड़े आय और लड़ाई झगड़ा क्यू कर रहे हो बोले तब आरोपियों द्वारा मिलकर मोहित राम राजवाड़े को भी गाली गलौज करते हुए हाथ मुक्का एवं डंडे से मारपीट कर सर मे गंभीर चोट कारित किया गया है, बीच बचाव करने मे मुकेश्वर को भी चोट आया है, घटना को आस पास के लोग देखे है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना लखनपुर मे अपराध क्रमांक 209/25 धारा 296(ख), 351(3), 115(2), 3(5)बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रार्थी एवं गवाहों का कथन लेख कर

घटना स्थल निरीक्षण कर मुलाहिजा रिपोर्ट आहत मोहित राम के सी टी स्कैन खुलासा रिपोर्ट एवं सी. टी स्कैन क्रेरी रिपोर्ट के आधार पर पाया गया कि घटना दिनांक को आरोपीगण एक राय होकर प्रार्थी लोखन राम, मुकेश्वर एवं मोहित राम राजवाड़े को डंडा एवं हाथ मुक्का से मारपीट किये है आहत मोहित राम के सर मे आयी चोट का खुलासा डॉ साहब से करवाने पर चोट गंभीर प्रकृति का होना एवं उक्त चोट से मृत्यु सम्भाव्य होना लेख किया गया है, जिससे मामले मे धारा 109 बी. एन. एस. जोड़कर प्रकरण के आरोपियों का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा अपना नाम 02 महिला आरोपी समेत (03)मुकेश कुमार आत्मज एतवार साय उम्र 36 वर्ष, (04) शिवलाल दास आत्मज स्व बंधन उम्र 45 वर्ष, (05) उमेश कुमार आत्मज एतवार साय उम्र 27 वर्ष, (06)एतवार साय आत्मज स्व. बंधन उम्र 58 वर्ष सभी साकिनन गोरता झवरपारा थाना लखनपुर का होना बताये, आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किया गया, जो आरोपीयों द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, प्रकरण मे 06 आरोपियों द्वारा एक राय होकर घटना कारित किये जाने पर प्रकरण मे धारा 3(5) बी.एन.एस. हटाकर मामले मे 190, 191(3) बी.एन. एस. जोड़ी गयी, आरोपियों के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त डंडा जप्त किया गया है, आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना लखनपुर से उप निरीक्षक के. के. यादव, प्रधान आरक्षक फ्लेन्द्र सिंह, आरक्षक शिव राजवाड़े, चित्रसेन प्रधान सक्रिय रहे।

किचनसंबंधी वास्तु नियम

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। वास्तु शास्त्र में घर की हर छोटी से लेकर बड़ी वस्तु को रखने के कुछ नियम बताए गए हैं। जिनका ध्यान रखा जाए तो व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि बनीं रहती है। वहीं, वास्तु शास्त्र में रसोई घर से संबंधित भी कुछ नियम बताए गए हैं जिनका ध्यान रखा जाना जरूरी है। वास्तु शास्त्र का महत्व आमतौर पर हर किसी को पता होता है। कहा जाता है, वास्तु टिप्स के जरिए घर के नकारात्मक प्रभाव को बड़े ही आसानी से खत्म किया जा सकता है। हालांकि कई बार हमारे जीवन की छोटी-छोटी गलतियां बड़े - बड़े वास्तु दोष का कारण बन जाती हैं। आज हम उन्हीं गलतियों के बारे में आपको बताएंगे, जिससे आप सावधानी बरत सकें। तो चलिए जानतें हैं...

बिस्तर पर बैठकर खाना न खाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना कभी बिस्तर पर बैठकर नहीं खाना चाहिए। खाने को हमेशा डायनिंग टेबल या फिर जमीन पर बैठकर ही खाना चाहिए। बेडरूम या फिर बिस्तर पर बैठकर खाने से मां लक्ष्मी नाराज होती हैं। साथ ही निद्रा की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

रात को रसोई साफ रखें

रात को सोने से पहले अपनी रसोई घर को साफ करके ही सोएं। साथ ही जूठे बर्तन को अवश्य धो लें, जो लोग ऐसा नहीं करते हैं उनसे मां अन्नपूर्णा रुष्ट हो जाती हैं। साथ उनके घर पर मां लक्ष्मी का वास नहीं होता है।

इन बातों का रखें ध्यान

कभी भी रसोईघर के ठीक सामने शौचालय नहीं होना चाहिए। वहीं शौचालय के ऊपर या नीचे भी किचन का होना ठीक नहीं माना जाता। ऐसा होने पर घर परिवार के लोगो के स्वास्थ्य और उनकी वित्तिय स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दक्षिण, उत्तर और पश्चिम दिशा की तरफ भी मुख करके भोजन नहीं बनाना चाहिए। ऐसा करने पर धन की तेजी से हानि होती है। गैस से लेकर रसोईघर की नियमित सफाई करनी चाहिए।

रसोई में इस तरह रखें सामान

बिजली के उपकरण जैसे माइक्रोवेव, मिक्सी आदि, बिजली उपकरणों को आप दक्षिण पूर्व कोने में रख सकते हैं। इसके अलावा बर्तन स्टैंड या कोई अन्य भारी वस्तु दक्षिण या पश्चिम दिशा में रखें। रसोई की पूर्व और उत्तर दिशा में कोई हल्का सामान रखना चाहिए।

शाम के समय न सोएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, शाम के समय सोना बेहद अशुभ माना गया है। ऐसा करने वालों को आर्थिक तंगी का सामना सदैव करना पड़ता है। साथ ही उनके घर पर दरिद्रता का वास हमेशा बना रहता है।

किस दिशा में हो रसोई

घर की रसोई दक्षिण पूर्व यानी अग्नि कोण में होना उत्तम माना जाता है। किचन ऐसी जगह पर होना चाहिए जहां से मुख्य दरवाजे के बाहर से किचन का चूल्हा न दिखाई दे। खाना बनाते वक्त आपका मुख पूर्व दिशा की ओर रहना चाहिए। यह दिशा ग्रहों के राजा सूर्य की दिशा मानी जाती है।

किस दिशा में होना चाहिए स्लैब

रसोई घर में स्लैब या बर्तन रखने की अलमारी को दक्षिण या पश्चिम दिशा में बनाना चाहिए। रसोई में उपयोग होने वाले मसालों और खाद्य पदार्थ को उत्तर-पश्चिम दिशा में रखा जाना चाहिए। वहीं ध्यान रखें कि किचन में बनी रोशनदान या खिड़कियां बड़ी होनी चाहिए।

मार्गशीर्ष मास की द्वितीया तिथि को चन्द्र दर्शन का पर्व

पुराणों में चंद्र देव को पूजनीय देवताओं में से एक माना गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंद्रमा मन का निर्देशक माना जाता है। चंद्र दर्शन के दिन चंद्र देव की पूजा अर्चना करना अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है, इसलिए हिंदू धर्म में इस तिथि का विशेष महत्व है। आज हम 'चंद्र दर्शन' के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक बात करेंगे साथ में हम ये भी जानेंगे कि इस दिन क्या करें और क्या न करें। पुराणों में चंद्र देव को पूजनीय देवताओं में से एक माना गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंद्रमा को मन का निर्देशक माना जाता है। चंद्र दर्शन के दिन चंद्र देव की पूजा अर्चना करना मानसिक शांति के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है, इसलिए हिंदू धर्म में इस तिथि का विशेष महत्व है। तो चलिए जानते हैं कि वैशाख मास में चंद्रदर्शन कब है, और इस तिथि का महत्व व अनुष्ठान क्या हैं :-

चंद्र दर्शन कब मनाया जायेगा?

अमावस्या के बाद अगले दिन या दूसरे दिन को चन्द्र दर्शन दिवस कहा जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष मास का चंद्रदर्शन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर 22 नवम्बर 2025, शनिवार को मनाया जायेगा।

चंद्र दर्शन का समय 05:08 पी एम से 06:25 पी एम तक रहेगा। जिसकी कुल अवधि 01 घण्टा 17 मिनट्स होगी।

क्यों मनाते हैं चंद्र दर्शन?

चंद्रमा 'नवग्रहों' में से एक ग्रह है और पृथ्वी पर जनजीवन को प्रभावित करता है। ऐसा माना जाता है कि जिस व्यक्ति पर चंद्र देव का आशीर्वाद रहता है, उसे सफलता और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। चंद्र दर्शन के दिन चंद्र देव को प्रसन्न करने के लिए भक्त, सुख-समृद्धि की कामना करते हुए पूजा व व्रत रखते हैं।

चंद्र दर्शन पूजन विधि

अगर आप चंद्र दर्शन तिथि के दिन चंद्र देव की कृपा प्राप्त प्राप्ति के लिए चंद्र देव की विधिपूर्वक पूजा अर्चना करना चाहते हैं तो यह आपके लिए है। इस पूजा को करने से चंद्र देव की कृपा और आशीष आप पर बना रहता है। तो चलिए विस्तार पूर्वक इस पूजा विधि के बारे में जानते हैं। चंद्र तिथि के दिन सुबह उठकर चंद्र देव का स्मरण करें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद स्नान आदि कार्यों से निवृत होकर पूरे विधि-विधान से घर के मंदिर में पूजा-पाठ करें। पूजा के समय चंद्र दर्शन की व्रत कथा अवश्य सुनें। इसके बाद पूरा दिन फलाहार करके व्रत रखें। शास्त्रों के अनुसार, चंद्र दर्शन की तिथि के दिन, शाम के समय चंद्र देव की पूजा की जाती है। चंद्र देव को सबसे पहले अर्घ्य दें, इसके बाद उन्हें पुष्प, दीप, नैवेद्य, रोली और अक्षत अर्पित करें और चंद्र देवता को खीर का प्रसाद अर्पित करें।

रास्ते में बछड़े को दूध पिलाते हुए गाय दिखना शुभ

हिन्दू धर्म में गाय को पूजनीय माना जाता है। गाय में सभी देवी-देवताओं का वास माना गया है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी गाय का विशेष स्थान है। मान्यता है कि अगर रास्ते में कहीं जाते समय किसी व्यक्ति को गाय दिख जाए तो यह बहुत ही शुभ होता है। शास्त्रों में जहां एक ओर गाय को सुख-समृद्धि प्रदायक माना गया है। वहीं, गाय के बछड़े को प्रगति का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में अगर आपको रास्ते में कहीं बाहर जाते समय गाय बछड़े के साथ दिख जाए तो इसका मतलब है कि जल्दी ही आपके घर में सुख-समृद्धि (सुख-समृद्धि के उपाय) का आगमन होगा। घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। गर में मां लक्ष्मी (मां लक्ष्मी की पूजा के नियम) का वास स्थापित होगा। अगर आपका कोई काम लंबे समय से अटका हुआ है तो वह आवश्यक रूप से जल्दी ही पूरा होने वाला है। आपने जिस चीज के लिए मेहनत की है अगर वह आपको अब तक नहीं मिली तो अब मिलने वाली है। इसके अलावा, अगर आपको बछड़े को दूध पिलाती गाय दिख जाए तो इसका मतलब है कि आपकी संतान की उन्नति होनी वाली है। आपकी संतान किसी बात से परेशान है या किसी समस्या में फंसी हुई है तो वह जल्दी ही दूर हो जाएगी। आपकी संतान का भाग्य जल्दी ही खुलने वाला है।

केले को जल्दी सड़ने से कैसे बचाएं ?

खाने में स्वादिष्ट लगने वाला फल केला कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है।हालांकि इस फल के साथ एक दिक्कत हमेशा देखी जाती है और वो ये कि यह जल्दी खराब होने लगते हैं। इनके छिलके पर कालापन बाकी फलों के मुकाबले तेजी से आने लगता है। आपने कई बार यह देखा भी होगा कि केले खरीदने के अगले दिन से ही अपना रंग बदलना शुरू कर देते हैं और काले पड़ने लगते हैं। हालांकि ऐसे कई तरीके हैं, जिनपर ध्यान नहीं देने की वजह से केले अक्सर जल्दी खराब होने लगते हैं। आपको बस उन्हीं तरीकों पर ध्यान देना है और केलों को जल्दी सड़ने से बचाना है। केले को स्टोर करने के काफी सारे हैक्स हैं, जिनकी मदद से इन्हें लंबे समय तक ताजा बनाए रखने में मदद मिल सकती है। क्या आप इस बात पर विश्वास करेंगे कि केले को 16 दिनों तक ताजा बनाए रखा जा सकता है? आपको भले ही अभी इस बात पर यकीन ना हो रहा हो, लेकिन यह पॉसिबल है।

पॉलिथीन से बाहर निकालें

केले को सड़ने से बचाने के लिए आपको सबसे पहला काम इन्हें पॉलिथीन से बाहर निकालने का करना है। कई लोग केले को पॉलिथीन के साथ ही स्टोर करके रख देते हैं, जिसकी वजह से ये काफी जल्दी खराब हो जाते हैं। लेकिन आपको यह गलती बिल्कुल नहीं करनी है। केले को खरीदने के बाद उन्हें हमेशा पॉलिथीन से बाहर निकालकर स्टोर करें। कई फलों की तरह केले भी एथिलीन गैस का उत्पादन करते हैं। यही वजह है कि अगर इन्हें पॉलिथीन में बांधकर रखा जाएगा तो एथिलीन गैस बन जाएगी और केले को तेजी से पकाकर खराब कर देगी।

केले को कहां रखें?

केले को रखने की जगह भी बहुत महत्वपूर्ण होती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि केले को हमेशा बाकी फलों से दूर रखा जाना चाहिए। उन्हें किसी ऐसे स्थान पर रखें, जहां न तो कोई दूसरा फल हो और ना ही ज्यादा गर्मी। केले को किचन में भी रखने से बचना चाहिए, क्योंकि वहां का तापमान खाना पकाने की वजह से थोड़ा ज्यादा होता है।

केले को कमरे के तापमान पर रखना

ज्यादातर बेहतर साबित होगा, लेकिन ध्यान रहे कि नमी, धूप और ज्यादा हीट वाली जगह नहीं होनी चाहिए। केले रखने की जगह के आसपास ओवन या फिर कोई गर्म उपकरणों नहीं होना चाहिए। इसके अलावा, आप एक काम और कर सकते हैं और वो ये कि इन्हें गुच्छे से निकालकर अलग-अलग रखना। ऐसा करने से आप इन्हें लंबे समय तक खराब होने से बचा पाएंगे।

नहाने के पानी का सही तापमान क्या होना चाहिए

ज्यादा ठंडे पानी से शरीर में कंपकंपी,जोड़ों का दर्द

वहीं ज्यादा ठंडे पानी से नहाने की वजह से शरीर का तापमान कम हो जाता है जिससे शरीर में कंपकंपी और जोड़ों का दर्द हो सकता है। 15 डिग्री से कम तापमान के पानी से नहाने पर हाइपोथर्मिया जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है जो खतरनाक होती है। ठंडे पानी की वजह से रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं जिससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है। यह फेफड़ों और दिल पर भी बुरा असर डाल सकता है। इसलिए 20 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान के पानी से नहीं नहाना चाहिए।

ज्यादा गर्म पानी से नहाने पर त्वचा पर जलन और लाल चकत्ते

40 डिग्री से अधिक पानी से रोजाना नहाने से त्वचा पर जलन और लाल चकत्ते हो सकते हैं। यह शरीर का तापमान बढ़ाकर हमारा बीपी और पल्स रेट को प्रभावित कर सकता है। अत्यधिक गर्म पानी सिरदर्द, चक्कर आना और थकान जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। यह फेफड़ों और हृदय रोगियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ज्यादा गर्म पानी से नहाने की वजह से आप पीठ दर्द की समस्या का शिकार हो सकते हैं। ज्यादा गर्म पानी से नहाने की वजह से आप पीठ दर्द की समस्या का शिकार हो सकते हैं।

विटामिन-ई बढ़ाता है बालों की ग्रोथ

विटामिन ई बालों, चेहरे और स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए बेहद फायदेमंद है। यह कई एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसे कई तरीकों से चेहरे और बालों पर इस्तेमाल किया जा सकता है। स्किन पर लगाने से यह त्वचा के चमक को बढ़ाती है। वितामिन ई के कैप्सूल को आपको किसी भी मेडिकल स्टोर पर आसानी से मिल जाएंगे। यह बालों के लिए भी बेहद लाभकारी है। आइए आज हम आपको विटामिन ई के बालों को होने वाले फायदे और इसे उपयोग करने के तरीके बताते हैं।

1.बालों का झड़ना रोकें: विटामिन-ई के सेवन से बालों का झड़ना कम होता है। ये बालों के सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। अगर आपको भी बाल झड़ने की समस्या होती है तो विटामिन ई का सेवन करें।

2.बालों को चमकदार बनाए: बालों को नुकसान होने पर बालों की चमक गायब हो जाती है। बाल बेजान दिखने लगते हैं। विटामिन ई से भरपूर तेल लगाने और फूड्स का सेवन करने से बालों की चमक आती है। यह बाल को मजबूत बनाते हैं।

3. स्कैल्प को स्वस्थ बनाएं: विटामिन ई से भरपूर तेल लगाने से खोपड़ी मजबूत बनती है। यह सिर की त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है। इसे खोपड़ी में लगाकर मालिश करने से बालों की जड़ें मजबूत होती हैं।

4.बालों का ग्रोथ बढ़ाए: अगर आपके बालों की ग्रोथ रुक गई है। आपके बाल नहीं बढ़ रहे हैं। तो आपके लिए विटामिन ई बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन ई से भरपूर तेल लगाने से बाल तेजी से बढ़ने लगते हैं।

बालों की सेहत के लिए विटामिन ई का कैसे करें उपयोग

1.विटामिन ई से भरपूर तेल: बालों की सेहत के लिए आप विटामिन ई से भरपूर तेल का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए आप तेल में विटामिन ई को मिलाकर उसे पतला कर लें। इसके बाद इसे बालों की जड़ तक अच्छे से लगा लें। इसका अधिकतम लाभ पाने के लिए इसे अच्छे से सिर पर मालिश करें, उसके बाद बालों में अच्छे से कंघी कर लें, तेल को कम से कम 20 मिनट तक बालों में लगा रहने दें, इसके बाद आप इसे शैम्पू से धो सकते हैं।

2.सप्लीमेंट्स: अगर आपको बाल झड़ने की समस्या ज्यादा हो गई है और लगता है कि विटमिन ई की कमी है तो आप इजके सप्लीमेंट्स ले सकते हैं। हालांकि इसका सेवन कम ही करना चाहिए।

3.डाइट में शामिल करें: विटामिन ई की कमी को दूर करने के लिए इसे अपने डाइट में शामिल करें। इसके लिए विटामिन ई से भरपूर फूड्स बादाम, पालक, केल आदि का सेवन कर सकते हैं।

बच्चों के लिए कौन से विटामिन हैं सबसे ज्यादा जरूरी

6 महीने से कम उम्र के शिशु के लिए कुछ विटामिन विशेष रूप से जरूरी होते हैं क्योंकि इस आयु में बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बहुत तेजी से होता है। खासकर विटामिन डी, विटामिन A, आयरन, कैल्शियम, फोलिक एसिड और विटामिन सी जैसे विटामिन इन बच्चों के लिए बेहद जरूरी होते हैं। ये विटामिन बच्चों की हड्डियों के विकास, दिमागी क्षमता को बढ़ाने और रोग-प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने में मुख्य निभाते हैं। शिशु को मां के दूध से लगभग सभी प्रकार के विटामिन मिल जाते हैं जो उनके लिए बेहद जरूरी होते हैं,लेकिन विटामिन D सीधे सूरज की धूप से प्राप्त किया जा है। इस विटामिन का शिशु में सबसे ज्यादा कमी हो रही है। इसलिए डॉक्टर नवजात शिशु को रोजाना सही समय पर धूप लेने की सलाह देते हैं।

क्यों नहीं मिल पा रहा धूप विटामिन डी को आमतौर पर धूप से मिलने वाले विटामिन के रूप में जाना जाता है क्योंकि ये हमारे शरीर में तब बनता है जब त्वचा पर सूरज की किरणें पड़ती हैं लेकिन आज कल बहुमंजिली इमारतों और घने होते जा रहे मोहल्लों में शिशु, बच्चों और बड़े सभी को धूप ठीक तरह से नहीं मिल पा रही है और घर में भी हमेशा नमी बनी रहती है। वहीं कुछ लोग अपने घरों में चारों तरफ से इतने पर्दे आदि लगा कर रखते हैं कि सूर्य की किरण घरों के अंदर पहुंच ही नहीं पाती। यही वजह है कि धूप न मिलने के कारण शिशुओं में विटामिन डी की कमी हो रही है।

शिशु के लिए विटामिन D बहुत जरूरी

विटामिन D शिशु के शरीर के लिए एक बेहद आवश्यक पोषक तत्व है। विटामिन D का सीधा संबंध हड्डियों और दांतों के सही विकास से है। यह विटामिन कैल्शियम और फॉस्फोरस को अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे हड्डियां मजबूत एवं घनी होती हैं, शिशुओं में विटामिन D की कमी से हड्डियों का नरम होना, रिकेट्स रोग और दातों के विकास संबंधी समस्याएं होती हैं। विटामिन डी के महत्व को देखते हुए डॉक्टर नवजात शिशुओं को विटामिन डी सप्लीमेंट लेने की सलाह देते हैं। यह सप्लीमेंट ड्रॉप के रूप में होता है जो शिशु को रोजाना दिया जा सकता है।

अनार छीलने का आसान तरीका

कट और स्कूप विधि

अनार के बीज निकालने का पहला तरीका काफी आसान है। पहले आपको अनार से ऊपरी हिस्से को काटना होगा। इसके बाद इस पर छह कट लगाएं। आपको कट ऊपर से लेकर नीचे तक लगाना है, लेकिन इस बात का ध्यान रखना है कि ये पूरी तरह से न कट जाए। अब एक बेलन की मदद से पूरे अनार को हल्का-हल्का थपथपाएं। फिर अनार के छह टुकड़ों को अलग कर लें। हर एक टुकड़े को पकड़ें और चम्मच या उंगलियों के जरिए बीजों को बाहर निकालें। कुछ ही देर में पूरे अनार के बीज बाहर आ जाएंगे।

रोल और टैप विधि

अनार से बीज निकालने के दूसरा तरीका रोल और टैप विधि है। सबसे पहले आपको अनार को एक सख्त सतह पर रोल करना होगा, यानी उसे अपने हाथों से घुमाना होगा। ऐसा आप किचन स्लैब पर भी कर सकते हैं। इस दौरान अनार के ऊपर हल्का प्रेशर भी डालना है।

एक-दो मिनट तक ऐसा करने के बाद अनार को काट लें। जैसे ही आप इसको काटेंगे, आप देखेंगे कि अनार की झिल्लियों में लगे बीज ढीले हो चुके हैं। अनार को काट लें और फिर एक कटोरी में धीरे-धीरे बीज निकाल लें।

आपने बड़े-बूढ़ों से एक बात जरूर सुनी होगी कि अनार खाने से 'खून बढ़ता है'। इस बात में कितनी सच्चाई है, ये कोई नहीं जानता है। लेकिन अनार में फाइबर, विटामिन के,सी, और बी, आयरन, पोटेशियम, जिंक और ओमेगा-6 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व जरूर पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं। हालांकि, भले ही ये फल बहुत स्वादिष्ट होता है, मगर इसे खाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। दरअसल, अनार के खोल से बीज बाहर निकालना इतना कठिन काम है कि कई बार लोग इसे खाने से परहेज करते हैं। अगर आपको भी अनार से प्यार है, मगर इसके बीज निकालने का सोचकर ही इससे बचने लगते हैं, तो हम आपका काम आसान करने वाले हैं। आज हम आपको तीन ऐसे ईजी तरीके बताएंगे, जिनके जरिए आप बेहद ही आसानी से अनार के बीज निकाल सकते हैं।

पानी के भीतर बीज निकालने की विधि

इस तरीके से अनार के बीज निकालने के लिए उसे पहले पानी में डुबाना होता है। इससे बीज ढीले हो जाते हैं। फिर अनार का ऊपरी हिस्सा काट लें और इसके दो-तीन टुकड़ें कर लें। इसके बाद एक बर्तन में पानी भरकर उसे गर्म होने के लिए रख दें। जब पानी गुनगुना हो जाए तो आंच बंद कर दें। इसमें अनार को 2-3 मिनट के लिए डुबोकर रखें। अब पानी के नीचे झिल्लियों से बीजों को अलग करने के लिए अपनी उंगलियों का यूज करें। बीज कटोरे या बर्तन की सतह तक डूब जाएंगे और झिल्ली ऊपर तैरने लगेगी।

दो चेकडेम का लोकार्पण ग्रामीणों के उपयोग हेतु किया गया

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत दुर्ग और पाटन विकासखंड में 'वाटरशेड महोत्सव' का सफल आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार, विगत दिवस जिले में चल रहे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत ढाबा नाला (विकासखंड दुर्ग) और कुर्मीगुण्डरा नाला (विकासखंड पाटन) की जलग्रहण समितियों के ग्राम क्रमशः डांडेसरा और जामगांव (आर) में वाटरशेड महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। ग्राम डांडेसरा में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोषी देशमुख, जनपद सदस्य ने की, जिसमें जलग्रहण समिति की अध्यक्ष लक्ष्मी यदु, भूतपूर्व सरपंच संतोष यादव, उप सरपंच महेश निषाद सहित जलग्रहण समिति डांडेसरा के 7 स्वयं सहायता समूह के सदस्यगण, हितग्राही कृषक, प्राथमिक शाला के शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं लगभग 70 ग्रामीणों की भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा जल संरक्षण संबंधी 'जल शपथ' ली गई तथा स्कूल प्रांगण में जल बचाओ विषय पर रंगोली प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी के साथ, उपस्थित जनसमूहों के बीच प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के हस्तांतरण का सीधा प्रसारण प्रदर्शित किया गया और जनप्रतिनिधियों द्वारा आँवला, नींबू, अमरूद, कटहल और आम जैसे फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण भी किया गया। परियोजना अधिकारी एस.के. बेहरा ने ग्रामीणों को जल का महत्व, संरक्षण एवं उनकी भागीदारी विषय पर अपने विचार रखे, तथा ग्राम में पूर्ण हो चुके प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन घटक के दो चेकडेम का लोकार्पण भी ग्रामीणों के उपयोग हेतु किया गया। कार्यक्रम का संचालन आई.पी. नाग, कृषि विस्तार अधिकारी (कृ.वि.अ.) द्वारा किया गया, जिसमें संदीप भोई, उप संचालक कृषि दुर्ग, परियोजना के वाटरशेड डेवलपमेंट टीम गोपाल चंद्रवंशी, दिनेश वर्मा एवं सचिव सुदेश ठाकुर भी उपस्थित रहे। इसी प्रकार, वॉटरशेड डेवलपमेंट कंपोनेंट 2.0/1 परियोजना के जलग्रहण समिति जामगांव (आर) में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकुमार चंद्राकर, जनपद सदस्य ने की। इस आयोजन में जलग्रहण समिति के अध्यक्ष रूपेन्द्र शुक्ला, भूतपूर्व सरपंच के.एल. साहू सहित जलग्रहण समिति के सदस्यगण, हितग्राही कृषक, विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं लगभग 60 ग्रामीणों की भागीदारी रही। यहाँ भी उपस्थित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा जल संरक्षण संबंधी शपथ ली गई और स्कूल प्रांगण में जल बचाओ विषय पर रंगोली तथा स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के हस्तांतरण का सीधा प्रसारण किया गया और जनप्रतिनिधियों द्वारा फलदार एवं छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। जल का महत्व एवं जल संरक्षण विषय पर तकनीकी विशेषज्ञ सुरेन्द्र सिंह द्वारा विचार रखे गए तथा ग्राम में स्वीकृत चेकडेम का भूमिपूजन किया गया और पूर्ण हो चुके चेकडेम का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन गिरीवर ध्रुव, सर्वेयर सह वाटरशेड डेवलपमेंट टीम एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रमेश साहू द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ व्यापमं की भर्ती परीक्षाओं में ड्रेस कोड होगा, काला, नीला, हरे रंग के कपड़े पहनने पर बैन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 2025 का आयोजन 07 दिसम्बर 2025 को दोपहर 12 बजे से दोपहर 02.15 बजे तक आयोजित होगी। जिले के 77 केन्द्रों में आयोजित इस परीक्षा में 28,235 अभ्यर्थी शमिल होंगे। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जारी निर्देशों के तहत परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लेवें ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। यह परीक्षा प्रातः 12 बजे से प्रारंभ होगा, मुख्य द्वार प्रातः 11.30 बजे बंद कर दिया जाएगा। हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षा कर्मी से जांच कराना होगा। स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बांह का बंधन नहीं होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटविर के रूप में चप्पल पहनें।

धान खरीदी शुरू होते ही कोचिए एक्टिव कलेक्टर ने कार्रवाई के दिए निर्देश

सीमावर्ती चेकपोस्ट में धान के अवैध परिवहन को रोकने निगरानी रखने कहा

राजनांदगांव। धान खरीदी शुरू होते ही ग्रामीण और शहरी इलाकों में कोचिए भी सक्रिय हो गए हैं, जो किसानों को अपने झांसे में लेने का काम कर रहे हैं। इसमें कई अनाज व्यापारी भी शामिल है। कलेक्टोरेट में समय-सीमा की मीटिंग में कलेक्टर जितेंद्र यादव ने इसे लेकर निर्देश जारी किया और संबंधित अधिकारियों को निगरानी रख कार्रवाई करने कहा। उन्होंने कहा कि जिले के अन्य राज्यों से लगे सीमावर्ती चेकपोस्ट में धान का अवैध परिवहन नहीं होना चाहिए, इस पर सतत निगरानी रखें। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने जिले में शराब की अवैध बिक्री पर कार्रवाई करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शासन की महती योजना है। इस योजना अंतर्गत विभिन्न कालोनी, आवासीय परिसर में इस योजना अंतर्गत रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए जनमानस को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करें। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुरूप उपभोक्ता सोलर प्लांट लगा सकते है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से ऊर्जा की बचत होगी। उन्होंने इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गहन समीक्षा की तथा कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पढ़ाई संबंधी जानकारी भी ली

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने शिक्षा विभाग में किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी ली। अपार आईडी निर्माण के तहत आधार कार्ड के माध्यम से सत्यापित होने पर आईडी बनने से कार्य में तेजी आयी है। इसी तरह डिजिटल माध्यम से स्मार्ट बोर्ड प्रोजेक्टर से हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा परिणाम बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑनलाईन कोचिंग के माध्यम से जिले में नेट एवं जेईई की पढ़ाई सतत जारी रखने के लिए कहा। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से संबंधित केसीसी की समीक्षा की।

कलेक्टर सिंह ने सेलूद, उतई और कोड़िया धान उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण

जिला प्रशासन द्वारा खरीदी केन्द्रों में कम्प्यूटर ऑपरेटरों की वैकल्पिक व्यवस्था

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में चल रही धान खरीदी व्यवस्था का जायजा लेने पाटन विकासखण्ड के धान उपार्जन केन्द्र सेलूद एवं उतई तथा धमधा विकासखण्ड के ग्राम कोड़िया के उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति प्रबंधकों से उपार्जन केन्द्रों की आवश्यक व्यवस्था, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, प्रतिदिन धान ब्रिकी हेतु टोकन की स्थिति और खरीदी किए गए धान की जानकारी ली। कलेक्टर ने मौके पर किसानों से खरीदे जा रहे धान की तौलाई का अवलोकन किया साथ ही व्यवस्था दिया कि प्रति बोरे में 40 किलो 600 ग्राम धान की तौल की जाए। उन्होंने अधिक तौल कराए जाने पर समिति प्रबंधकों को फटकार लगाई और बोरे से निर्धारित मात्रा में धान निकालने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने कहा कि धान ब्रिकी के लिए उपार्जन केन्द्रों में आने वाले वाहनों की ऑनलाईन एन्ट्री एवं किसान सहित वाहन की फोटो अपलोड कराई जाए। लघु किसान जिनके द्वारा अपनी संपूर्ण उपज धान बिक्री करने के पश्चात् घोषणा पत्र के साथ रकबा समर्पण कराया जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में प्राप्त बारदानों की ऑनलाईन एन्ट्री तत्काल सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में खरीदे गए धान का स्टेक का भी अवलोकन किया। साथ ही निर्धारित मापदण्ड के अनुसार बोरे की छल्ली लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति प्रबंधकों को उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में वैकल्पिक व्यवस्था हेतु उपलब्ध कराए गए कम्प्यूटर ऑपरेटर्स के कार्यों का अवलोकन किया। साथ ही उनकी समस्याओं से अवगत हुए। सेलूद उपार्जन केन्द्र में मोहित कुमार वर्मा, तमन्ना यादव और प्रतीक कुर्रे ने कार्य संभाल लिया है। उन्होंने अवगत कराया कि समिति प्रबंधक और विपणन संघ कार्यालय के कम्प्यूटर ऑपरेटर के मार्गदर्शन में कार्य संपादित किया जा रहा है। कलेक्टर सिंह ने उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने हेतु पहुंचे अवध राम, कुमान कश्यप, रोहित, नीलमणी और कमलेश चंद्राकर सहित अन्य कृषकों से रू-ब-रू चर्चा कर धान बिक्री, टोकन, रकबा समर्पण आदि के संबंध में जानकारी ली। कृषकों ने धान बिक्री हेतु शासन प्रशासन की व्यवस्था को बेहतर बताया। टोकन सिस्टम होने से सभी किसानों को धान बिक्री का समान अवसर मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान समिति प्रबंधकों ने बताया कि उपार्जन केन्द्र सेलूद में 17 किसानों से 983.20 क्वि. धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार उपार्जन केन्द्र उतई में 19 किसानों से 704.80 क्वि. धान की खरीदी तथा उपार्जन केन्द्र कोड़िया में 28 किसानों से 1081.20 क्वि. धान की खरीदी की गई है।

धान संग्रहण केन्द्रों का निरीक्षण-कलेक्टर सिंह ने धान संग्रहण केन्द्र सेलूद (पाटन) और धान संग्रहण केन्द्र कोड़िया (धमधा) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर पुराने धान के उठाव हेतु वाहनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही 30 नवंबर तक संपूर्ण धान का उठाव करा लेने संग्रहण प्रभारी को निर्देशित किया। इस अवसर पर डीएमओ राहुल कुमार, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, सीसीबी के प्रभारी नोडल अधिकारी ह्रदेश शर्मा, समिति प्रबंधकों एवं अन्य अधिकारी और कृषकगण उपस्थित थे।

निगम परिसर में नशा मुक्ति शपथः अधिकारी-कर्मचारी एकजुट होकर आगे आए

दुर्ग। नशा मुक्ति भारत अभियान के पांच वर्ष पूर्ण होने पर इस आंदोलन को जन जन तक पहुंचाने बनाने की दिशा में नगर निगम दुर्ग द्वारा शासन के आदेशानुसार शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर निगम उपायुक्त मोहेंद्र साहू ने निगम परिसर में सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण कर समाज को संदेश दिया कि नशे से दूर रहकर ही स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक शहर का निर्माण संभव है। सुबह निगम परिसर में आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार सभी अधिकारी-कर्मचारी एकत्र हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था नशे के खिलाफ कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाना और इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में बढ़ावा देना। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने नशे से होने वाले दुष्प्रभावों पर संक्षिप्त जानकारी दी। सामूहिक शपथ ग्रहण-अधिकारी और कर्मचारी हाथ उठाकर एक स्वर में बोले कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे, दूसरों को भी इससे बचने की प्रेरणा देंगे तथा समाज में नशा मुक्त वातावरण बनाने में सहयोग करेंगे। शपथ में यह भी शामिल था कि किसी भी परिस्थिति में मादक पदार्थों का सेवन न करने और इसके विरोध में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया जाए। अधिकारियों का संदेश-वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं बल्कि परिवार और समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि निगम कर्मचारी यदि नशा मुक्ति अभियान से जुड़कर आगे बढ़ेंगे तो इसका सकारात्मक असर शहर के हर मोहल्ले और वार्ड तक जाएगा। सहभागिता और आगामी योजनाएँ- सभी शाखाओं–बाजार व राजस्व, लोक, स्वास्थ्य, स्वच्छता, लेखा एवं प्रशासनिक विभागों के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

व्यापारी ने दी जान...ज्वेलर्स और आड़तिया का लिखा नाम, 50 हजार, ब्याज का जिक्र

- संबलपुर-सिंघोला की घटना, आरके ज्वेलर्स और उमेश पालीवाल का नाम सुसाइड नोट पर
- पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, कई नाम और आएंगे सामने

राजनांदगांव। सुरगी चौकी क्षेत्र के एक छोटे व्यापारी ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि वह में मंडी में धान की खरीदी-बिक्री करने का काम करता था। साथ ही मृतक ने एक सुसाइड नोट भी लिखकर छोड़ा, जिसमें उसने अपने पत्नी, बच्चों और गांववालों के सहयोग करने की बात कही है। वहीं खुद की जान देने के पीछे उसने आरके ज्वेलर्स और आडतिया उमेश पालीवाल का नाम लिखा है। उनके द्वारा ही उसे प्रताड़ित किए जाने की बात दर्ज की है। पुलिस ने यह सुसाइड नोट बरामद कर लिया है, वहीं मामले की जांच भी शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार संबलपुर सिंघेला में रहने वाला 50 वर्षीय रामखिलावन पिता श्याम साहू का शव बुधवार को सुबह गांव से लगे एक हिस्से में पेड़ पर फांसी से लटका मिला। आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बताया गया कि रामखिलावन मंडी में धान की खरीदी बिक्री करने का काम करता था। इसी के चलते उसने कुछ रुपए ब्याज पर लिए थे। उनके द्वारा ही उसे प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसके चलते ही राम खिलावन ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

मृतक ने ये सब लिखा

राम खिलावन से जो सुसाइड नोट लिखा है। उसमें उसने बताया कि आरके ज्वेलर्स वाला एक व्यक्ति को उसके पास भेजा था, कॉल भी करने की बात कही। वहीं पर्चा, 50 हजार रुपए और 5 प्रतिशत की ब्याज की बात भी रामखिलावन ने लिखी है। इसके अलावा आडतिया उमेश पालीवाल द्वारा भी प्रताड़ित करने की बात अंकित की है, जिसमें मृतक ने व्यापार बंद होना भी बताया है। इस बारे में सुरगी चौकी प्रभारी शंकर गोस्वामी ने कहा कि वे अभी बाहर है, लेकिन इन लोगों का नाम सुसाइड नोट में है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त हस्तांतरित

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र, पाहंदा (अ), दुर्ग में विगत दिवस प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 21वीं किस्त प्रसारण के कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम रू. 2000 की 21वीं किस्त जारी की गई। इस अवसर पर गोपिका गबेल संयुक्त संचालक कृषि दुर्ग संभाग कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी। गबेल ने किसानों को प्राकृतिक खेती करने हेतु विस्तृत जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती के लिये शासन की विभिन्न योजनाओं पर किसानों से चर्चा की और अधिक से अधिक जुड़ने का आव्हान किया। इस अवसर पर कृषि, बागवानी, पशुपालन एवं जैविक खेती, प्राकृतिक खेती से संबंधित नवीनतम तकनीकों की जानकारी भी किसानों को प्रदान की गई। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं से जुड़ी शंकाओं का समाधान भी कृषकों ने प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय जैन वरिष्ठ वैज्ञानिक ने की तथा खेती की आवश्यकता को देखते हुए किसानों से विस्तृत चर्चा की गई जिसके परिपेक्ष्य में उपलब्ध संसाधनों में प्राकृतिक खेती कैसे अपनाई जाय इसमें विस्तार से बताया। मनीष कुमार वर्मा विषय वस्तु विशेषज्ञ ने किसानों को प्राकृतिक खेती की संपूर्ण विधि का जानकारी प्रदान की एवं डॉ. ईश्वरी कुमार साहू विषय वस्तु विशेषज्ञ ने प्राकृतिक/जैविक खेती में जैविक कीट नियंत्रण के तरीको से अवगत कराया। इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ललिता रामटेके, डॉ. विनय कुमार नायक, डॉ. कमल नारायण एवं प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ. आरती टिकरिहा, सृष्टि तिवारी एवं कृषि विभाग से सौरभ कुमार वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी कृषि, रोशन शर्मा, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी आदि उपस्थित थे।

बीज निगम का निरीक्षण : प्रबंधक संचालक ने बीज प्रक्रिया केन्द्र रुआबांधा का भ्रमण किया

दुर्ग। छ.ग. राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था रायपुर के प्रबंधक संचालक राजेश राठौर ने बीज प्रक्रिया केन्द्र रुआबांधा जिला-दुर्ग का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने खरीफवर्ष 2025 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला किसानों द्वारा जिले में चलाए गए बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत उत्पादित बीज का शत् प्रतिशत उपार्जन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप उत्पादन अनुदान की राशि का सदुपयोग हो सके। प्रबंधक संचालक राठौर ने कहा प्रक्रिया केन्द्र की सभी ग्रेडर मशीन का तत्काल संधारण कर समय पर ग्रेडिंग प्रारंभ करें ताकि कृषकों को धान खरीदी अवधि में ही अंडरसाइज वापस किया जा सके। रबी में बीज उत्पादन कार्यक्रम के समय कृषकों को एग्रीस्टेक आई.डी. अनिवार्य दस्तावेज के रूप में प्राप्त करें। उन्होंने कहा, यह ध्यान रखें कि दलहन का 10 वर्ष से अवधि कम अब्धि तथा तिलहन का 5 वर्ष से कम की अवधि वाले किस्मों को बढ़ावा दिया जाए। रबी में लगभग 80 किस्मों का नई किस्मों में प्रतिस्थापन सुनिश्चित हो। बीज विक्रय उत्पादन कार्यक्रम में साथी पोर्टल के पार्ट-2 का उपयोग किया जाए। इस अवसर पर गोपिका गबेल, संयुक्त संचालक कृषि दुर्ग संभाग द्वारा प्रक्रिया केन्द्र में विधिवत पूजा अर्चना कर धान के उपार्जन का शुभारंभ किया गया तथा संदीप भोई उप संचालक कृषि दुर्ग द्वारा निर्देशित किया गया कि किसी भी स्थिति में निर्धारित नमी से अधिक नमी वाले बीज का उपार्जन न हो क्योंकि ऐसी स्थिति में भविष्य में गोदामों में उपलब्ध अन्य बीज में भी कीट व्याधि की समस्या आएगी एवं जैसे-जैसे नमी प्रतिशत में कम होता जाएगा।

गंदा पानी होगा साफ, एसटीपी निर्माण स्थल का महापौर और आयुक्त ने लिया जायजा

राजनांदगांव। शहर के गंदे पानी को उपचार कर शुद्धिकरण करने अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत दो स्थानों में एसटीपी प्लांट निर्माण किया जा रहाहै। एसटीपी निर्माण के लिए मोहारा पुलिया के पास स्थल का महापौर मधुसूदन यादव व आयुक्त अतुल विश्वकर्मा द्वारा निरीक्षण किया गया,उनके साथ जनप्रतिनिधि और तकनीकी अधिकारी भी मौजूद रहे। महापौर यादव ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण के लिए मोहारा पुलिया के पास स्थित रिक्त भूमि में की जा रही तैयारी का जायजा लेकर भूमि की उपलब्धता एवं प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। आयुक्त विश्वकर्मा ने बताया कि अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत निगम सीमाक्षेत्र में दो स्थानों पर एसटीपी निर्माण किया जाना है। मोहारा के पास 25 एमएलडी का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण करना है, जिसमें गोकुल नगर, इंदिरा नगर, नंदई आदि क्षेत्र के नालों के गंदा पानी का उपचार कर शुद्धिकरण किया जाएगा। ताकि इसका पुनः उपयोग किया जा सके। इसी प्रकार पारीनाला के पास 15 एमएलडी का प्लांट तैयार किया जाएगा। जहॉ पर शांति नगर, चिखली, स्टेशन पारा आदि क्षेत्रों के नालो के गंदा पानी को एकत्रित कर शुद्धिकरण किया जाएगा। महापौर यादव ने कहा कि शासन की मंशानुरूप ट्रीटमेट प्लांट का निर्माण हो, जिसमें संबंधित क्षेत्र के नालो का पानी पर्याप्त मात्रा में पहुंचे और उक्त गंदे पानी को उपचार कर शुद्धिकरण किया जा सके। उक्त शुद्ध पानी का उपयोग निकाय हित में निर्माण कार्य, कारखानों तथा खेती बाड़ी के काम में हो सके। भूमि की उपलब्धता के संबंध में उन्होंने अधिकारियो से सीमांकन कराने कहा।

छत्तीसगढ़ के दो प्रख्यात कलाकारों की एकदिवसीय प्रदर्शनी और प्रशिक्षण शिविर

अम्लेश्वर। विकास खंड पाटन अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल परसदा में प्राचार्य पुरुषोत्तम सिंह व्यास तथा परसराम साहू राष्ट्रपति पुरस्कृत गुरुजी के संयोजन में छत्तीसगढ़ के दो प्रख्यात कलाकारों की एकदिवसीय प्रदर्शनी और प्रशिक्षण शिविर आयोजित की गई। शनिवार 15 नवंबर को आयोजित कला प्रदर्शनी में मॉडर्न आर्ट के प्रख्यात कलाकार डी.एस. विद्यार्थी की पेंटिंग तथा दुनिया के सबसे छोटी मूर्ति बनाने वाले सुप्रसिद्ध कलाकार अकुश देवांगन की सूक्ष्म कलाएं प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम संयोजक परसराम गुरुजी ने बताया है कि इन दोनों कलाकारों ने समकालीन भारतीय कला जगत में बड़ा नाम कमाया है। और वे विगत 40 वर्षों से छत्तीसगढ़ के धूर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और गांव-गांव में अपने कला की प्रदर्शनी करते आ रहे हैं। इन दोनों कलाकारों को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अनेकों पुरस्कार प्राप्त हैं। शाला परिवार के प्राचार्य पुरुषोत्तम सिंह व्यास और शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष होमेन्द्र कुमार साहू एवं सांसद प्रतिनिधि पुणेन्द्र पंत से समस्त छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों से निवेदन किया गया कि वे इस महत्वपूर्ण आयोजन का जरूर लाभ लें। तथा न सिर्फ कलाकारी सीखें बल्कि उसके माध्यम से अपने जीवन में तनाव को कैसे काम किया जा सकता है यह भी सीखें। ये दोनों कलाकार हाई स्कूल परसदा में न सिर्फ अपने कला की प्रदर्शनी लगाये बल्कि बच्चों को चित्रकला के गूढ़ रहस्यों से भी परिचित कराए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com